



सब का सपना



भूकंप आपदा से निपटने को पुलिस-प्रशासन ने किया मॉक ड्रिल

पेज: 3

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

संदीपा धरने अपनी फीमेल को-स्टार्स के साथ अपनी

पेज: 8

वर्ष : 02

अंक : 165

शनिवार 19 सितंबर 2026

अमरोहा (उत्तर प्रदेश)

www.sabkasapna.com

पृष्ठ : 08

मूल्य: 2 रुपए

एएपी डरी हुई है: रवनीत सिंह बिट्टू पर हमले को लेकर बोले बीजेपी सांसद राघव चड्ढा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी "डरी हुई" है और बीजेपी नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू पर हमला करने की कोशिश कर रही है। बिट्टू ने आरोप लगाया था कि जब वह पार्टी की 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' में शामिल होने जा रहे थे, तो उनके काफिले पर लगभग 500 लोगों ने हमला किया। चड्ढा ने कहा कि इस कथित घटना ने पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि 'प्लस सुरक्षा वाले नेता पर भी ऐसे हमले का खतरा बना हुआ है। पत्रकारों से बात करते हुए चड्ढा ने कहा कि अअद डरी हुई है; इसलिए वे हमारी पार्टी के सदस्य रवनीत सिंह बिट्टू पर हमला करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति का भी पता चलता है। रवनीत सिंह बिट्टू जैसे पूर्व मंत्री-जिनके पास 'प्लस सुरक्षा है

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 18 सितंबर को पिछली सरकारों की आलोचना करते हुए कहा कि भारत को 1947 में राजनीतिक आजादी तो मिली, लेकिन सांस्कृतिक आजादी नहीं। उन्होंने केरल के कोच्चि में तीन दिन तक चलने वाले कार्यक्रम 'रामायण- वन एपिक मेनी स्टोरीज: राम कथा अर्क' में भाग लिया। (रामायण - एक महाकाव्य, कई कहानियाँ: भारत और उसके बाहर राम कथा) के उद्घाटन समारोह में यह बात कही। सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के विकास में न केवल आर्थिक तरक्की शामिल होनी चाहिए, बल्कि राष्ट्रीय आत्मविश्वास को मजबूत करना और औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकलना भी जरूरी है। सभ्यता और सांस्कृतिक विरासत के महत्व को रेखांकित



करते हुए उन्होंने कहा कि देश का आधुनिकीकरण उसकी सांस्कृतिक परंपराओं के सम्मान के साथ-साथ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 'सर्व धर्म समभाव' यानी सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान हमेशा से हमारी

सभ्यता की मूल भावना रही है। फिर भी, पश्चिमी धर्मनिरपेक्षता के कारण, हमारे धर्म को सांप्रदायिकता, परंपरा को पिछड़ापन, विश्वास को कट्टरता और आस्था को अंधविश्वास के रूप में पेश किया गया। राजनाथ सिंह ने

युवा पीढ़ी के बीच भारत के इतिहास, संस्कृति और विरासत के बारे में जागरूकता बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे राष्ट्रीय चेतना मजबूत होगी और वैश्विक स्तर पर भारत की स्थिति

उन्होंने पश्चिमी धर्मनिरपेक्षता और तुष्टीकरण की नीतियों....
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कोच्चि में कहा कि भारत को 1947 में राजनीतिक आजादी मिली, लेकिन सांस्कृतिक आजादी नहीं। उन्होंने पश्चिमी धर्मनिरपेक्षता और तुष्टीकरण की नीतियों की आलोचना करते हुए

को लेकर आत्मविश्वास बढ़ेगा। उन्होंने युवाओं से भारत के आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी बदलाव में योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि एक आत्मविश्वासी, सक्षम और सामाजिक रूप से समावेशी भारत एक विकसित राष्ट्र के रूप में उभर सकता है और दुनिया के भविष्य को आकार देने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। राम मंदिर के निर्माण में हुई देरी का जिक्र करते हुए सिंह ने पूछा कि आजादी के बाद कहा गया था कि भारत की खोई हुई संस्कृति को बढ़ावा दिया जाएगा, लेकिन भगवान राम से बेहतर भारत

की आत्मा का प्रतीक कौन हो सकता है? फिर आजादी के सात दशक बाद भी राम मंदिर बनने में इतना समय क्यों लगा? ऐसा तुष्टीकरण की नीति के कारण हुआ। यह सोच भारतीय नजरिए के बिल्कुल भी अनुकूल नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत ने समय से पहले जलवायु परिवर्तन के लक्ष्यों को हासिल करके, देश में मुफ्त को-विड-19 टीके उपलब्ध करार कर और 100 देशों को 30 करोड़ से ज्यादा टीके भेजकर दुनिया के लिए उम्मीद की किरण जगाई है। सिंह ने भारत के एक सभ्यतागत लीडर के तौर पर उभरने पर जोर दिया। उन्होंने

इसके लिए इंटरनेशनल योग डे के वैश्विक आयोजन और इंटरनेशनल सोलर अलायंस व ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस जैसी पहलों में भारत की लीडरशिप का जिक्र किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि दया की भावना से प्रेरित होकर सरकार ने लोगों का जीवन बेहतर बनाने के लिए काम किया है और पिछले 10 से 12 सालों में 25 करोड़ से ज्यादा लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी डेमोक्रेसी और कल्याणकारी योजनाओं की सफलता के जरिए दुनिया के लिए प्रेरणा का स्रोत बना है।

नीतीश कुमार संग बीजेपी का रिश्ता सिर्फ सियासी तालमेल नहीं, बोले रवि शंकर प्रसाद

बिहार: बीजेपी सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने इस बात को खारिज कर दिया कि जेडी(यू) के साथ उनकी पार्टी का गठबंधन सिर्फ एक राजनीतिक तालमेल था। उन्होंने बिहार के विकास के लिए पार्टी प्रमुख नीतीश कुमार के "असाधारण" काम की तारीफ की। एक निजी मीडिया के कार्यक्रम में बोलते हुए प्रसाद ने बताया कि नीतीश कुमार के साथ उनकी पार्टी के रिश्ते 2005 से 2007 के बीच शुरू हुए थे और इनकी नींव उस साझा लड़ाई में पड़ी थी जिसे उन्होंने "जंगल राज" कहा था। प्रसाद ने इस बात पर जोर दिया कि बीजेपी ने वरिष्ठता का सम्मान किया और ज्यादा सीटें होने के बावजूद नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री



बनाया, और अब पार्टी अपना मुख्यमंत्री पाकर खुश है। साथ ही, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पूरा एनडीए जिसमें जेडी(यू), बीजेपी, एलजेपी, उपेंद्र कुशवाहा और जीतन राम मांझी शामिल हैं मिलकर काम कर रहा है। प्रसाद ने कहा कि बीजेपी का एक लंबे समय से चला आ रहा राजनीतिक लक्ष्य अब पूरा हो गया है, क्योंकि हिंदी

भाषी क्षेत्र में बिहार ही एकमात्र ऐसा राज्य था जहाँ पार्टी का अपना कोई मुख्यमंत्री नहीं था। बिहार के विकास का जिक्र करते हुए, प्रसाद ने पटना एयरपोर्ट के कायाकल्प, आठ वंदे भारत ट्रेनों, अटल पथ और जेपी गंगा पथ का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि गंगा पर पाँच पुल बनाए जा रहे हैं और बाढ़ के दौरान सरकार की राहत कोशिशों को भी याद

किया। अपने चुनाव क्षेत्र के बख्तियारपुर और फतुहा का जिक्र करते हुए, प्रसाद ने कहा कि उन्होंने लोगों की मदद के लिए खुद बाढ़ के पानी में उतरकर काम किया। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने हाल ही में तैनात दो आईएएस अधिकारियों को बाढ़-राहत कार्यों में शामिल किया, ताकि उन्हें जमीनी हालात की सीधी समझ मिल सके। प्रसाद ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को भी तारीफ की और कहा कि उन्होंने कई जगहों पर डिग्री कॉलेज खुलवाने और शिकायतों के समाधान के लिए एक पोर्टल शुरू करने में मदद की है। प्रसाद के अनुसार, इस पोर्टल को गोवा और गुजरात में भी अपनाया गया है, इसमें लखित शिकायतों पर हर हफ्ते रिमांडर भेजे जाते हैं

हम साथ हैं...ममता बनर्जी की पार्टी का सिंबल फ्रीज होते ही आया राहुल गांधी का फोन

नई दिल्ली। विपक्षी नेताओं ने भारत के चुनाव आयोग की आलोचना की। आयोग ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनके द्वारा बनाई गई पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न इस्तेमाल करने से रोक दिया था। इसके बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने तुरंत ममता बनर्जी से संपर्क किया और उनके प्रति एकजुटता जताई। बाद में बनर्जी ने कहा कि कांग्रेस और उनकी पार्टी केंद्र सरकार के खिलाफ मिलकर काम करने को तैयार हैं। गांधी के साथ हुई बातचीत के बारे में बनर्जी ने कहा, "हम इसमें साथ हैं। हम चाहते हैं कि बीजेपी को हटया जाए।" पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि नंदीग्राम में 6 अक्टूबर को होने वाले उपचुनाव में



उनकी पार्टी कांग्रेस उम्मीदवार का समर्थन करेगी, क्योंकि उनकी उम्मीदवार संचिता प्रधान डे ने अपना नामांकन वापस ले लिया था। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को नंदीग्राम उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार की अपना समर्थन देने की घोषणा की,

क्योंकि उनके अपने उम्मीदवार ने मुकाबले से नाम वापस ले लिया था। उन्होंने कहा कि उनका खेमा नंदीग्राम से कोई दूसरा उम्मीदवार नहीं उतरेगा और उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को समर्थन देने का ऐलान किया। बनर्जी ने कहा कि यह फैसला 'इंडिया' गठबंधन के साथ एकजुटता दिखाने के लिए लिया गया है, क्योंकि विपक्ष बीजेपी के खिलाफ एकजुट

होकर लड़ना चाहता है। बनर्जी ने कहा कि हम मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। मैं चाहती हूँ कि बीजेपी भारत से चली जाए। हमारा पूरा समर्थन इंडिया गठबंधन के साथ है। यह घोषणा ममता बनर्जी के खेमे से तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार संचिता प्रधान डे के अपनी उम्मीदवारी वापस लेने के कुछ घंटों बाद हुई, जबकि अहम उपचुनाव में अब बस एक महीने का समय बचा है। डे ने नबन्ना में राज्य सचिवालय में सुबेदु अधिकारी के साथ बैठक के बाद अपना नाम वापस लिया। हालाँकि सूत्रों ने शुरू में इसे एक शिष्टाचार मुलाकात बताया, लेकिन इसने राजनीतिक ध्यान खींचा क्योंकि अधिकारी नंदीग्राम से मौजूद विधायक भी हैं।

पंजाब विधानसभा चुनाव में 'नशा' बना राजनीतिक मुद्दा एएपी को घेरने के लिए बीजेपी का मास्टरस्ट्रोक

नई दिल्ली। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने शुक्रवार को कहा कि पंजाब को ड्रग्स की समस्या से मुक्त करना होगा और ड्रग-विरोधी अभियान का होना चाहिए। पठानकोट में, बीजेपी प्रमुख ने 'एकता स्थल' से राज्यव्यापी चार ड्रग-विरोधी यात्राओं में से पहली यात्रा को हरी झंडी दिखाई। दूसरी यात्रा 19 सितंबर को फतेहगढ़ साहिब से शुरू होगी, इसके बाद तीसरी यात्रा 20 सितंबर को फाजिल्का से और चौथी यात्रा 21 सितंबर को बठिंडा के तलवंडी साबो से शुरू होगी। बीजेपी सूत्रों के मुताबिक, 13 दिनों तक चलने वाली 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' पंजाब के सभी 117 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 4,000 किलोमीटर की दूरी तय करेगी, ताकि ड्रग्स की समस्या के खिलाफ जागरूकता फैलाई जा सके, खासकर युवाओं के बीच। चारों यात्राओं के समापन पर, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 30 सितंबर को जालंधर में एक रैली को संबोधित



करेंगे। एक जनसभा को संबोधित करते हुए नवीन ने कहा कि मैं पटना से एक संदेश लेकर आया हूँ - हमें इस ड्रग-विरोधी अभियान को राज्य के हर कोने तक ले जाना है। हमें पंजाब को नशा मुक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि आज, हम एक ऐसे दुश्मन का सामना कर रहे हैं जो चुपचाप हमारे गांवों, हमारे घरों में घुस जाता है और धीरे-धीरे पूरे परिवार को अपनी चपेट में ले लेता है। यह दुश्मन ड्रग्स है और हमें इस समस्या को खत्म करना है। उन्होंने आगे कहा कि मैं यहां सिर्फ एक यात्रा को हरी झंडी दिखाने नहीं आया हूँ, बल्कि ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई शुरू

करने आया हूँ, इस संकल्प के साथ कि हम इस समस्या को जड़ से खत्म कर देंगे। नवीन ने भगवंत मान सरकार पर भी निशाना साधा और कहा कि वह ड्रग्स की समस्या को खत्म करने के लिए सिर्फ "तारीख पर तारीख" देती है, लेकिन जमीनी स्तर पर कुछ नहीं होता। इस मौके पर पंजाब बीजेपी प्रमुख केवल सिंह हिल्लों, सतीश पूर्निया, तरुण चुच, सुनील जाखड़, मनप्रीत सिंह बादल, सोदान सिंह, परनीत कौर, राघव चड्ढा और इकबाल सिंह लालपुरा समेत बीजेपी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। अगले साल की शुरुआत में पंजाब में विधानसभा चुनाव होने हैं

चंद्रशेखर आजाद टिप्पणी केस, अजीत भारती की जमानत पर दिल्ली उच्च न्यायालय का फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को वृत्तूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अजीत भारती की अग्रिम जमानत याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। यह मामला नगीना के सांसद चंद्रशेखर आजाद के बारे में कथित टिप्पणियों को लेकर एससी/एसटी एक्ट के तहत दर्ज किया गया था। सुनवाई के दौरान, जस्टिस सीरथ बनर्जी ने कहा कि भारती को कथित टिप्पणियाँ करते समय ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए थी, खासकर तब जब मामला किसी विशेष कानून के प्रावधानों से जुड़ा हो। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से यह भी पूछा कि भारती को कोई नोटिस क्यों नहीं दिया गया और क्या उनसे हिरासत में पूछताछ की जरूरत है। पुलिस के वकील ने कहा कि जाँच अधिकारी को भारती का पता सिर्फ दो दिन पहले ही मिला था, इसलिए उससे पहले

उन्हें कोई नोटिस नहीं भेजा जा सका। कोर्ट ने कथित टिप्पणियों के ट्रान्सक्रिप्ट में इस्तेमाल किए गए कुछ शब्दों पर भी आपत्ति जताई और कहा कि इस्तेमाल की गई भाषा अपमानजनक थी। भारती की ओर से पेश वकील जय अनंत देहादराई ने दलील दी कि इस मामले में एससी/एसटी एक्ट के तहत अपराध के तत्व नहीं बनते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि सिर्फ गाली-गलौज वाला बयान देना ही इस एक्ट के तहत अपराध नहीं माना जा सकता और इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला दिया। देहादराई ने यह भी कहा कि भारतीय जातिगत भेदभाव के खिलाफ हैं और उन्होंने आरक्षण पर अपने विचार व्यक्त किए थे। उन्होंने कोर्ट से अनुरोध किया कि वे सिर्फ उस हिस्से पर ध्यान न दें जिसमें कथित आपत्तिजनक टिप्पणियाँ हैं

एनसीएपी सर्वे में लखनऊ रहा नंबर 1, केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने सीएम योगी को दी बधाई

लखनऊ: भारत के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने शुक्रवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इस बैठक का मकसद राज्य के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 'वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग' की ओर से हवा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करना था। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, यादव ने प्रधानमंत्री के एक पेड़ मी के नाम अभियान के तहत पेड़ लगाने के प्रयासों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को बधाई देना चाहता हूँ, कि उन्होंने हाल के वर्षों में पूरे राज्य में बड़ी संख्या में पेड़ लगाए हैं और तय लक्ष्य से ज्यादा पेड़ लगाने का काम किया है। नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत राज्य के प्रदर्शन पर बात करते हुए उन्होंने कहा, "प्लसीएपी के तहत हमने साफ हवा के लिए 130 शहरों का सर्वे किया,



जिसमें लखनऊ पहले स्थान पर रहा और उत्तर प्रदेश के आगरा और दूसरे शहरों ने भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।" समीक्षा बैठक में चर्चा किए गए मुख्य मुद्दों के बारे में बताते हुए यादव ने कहा कि बैठक में उत्तर प्रदेश के एनसीआर में आने वाले आठ जिलों - नोएडा, हापुड़, गाजियाबाद, मेरठ और बुलंदशहर - में हवा की गुणवत्ता से जुड़ी चिंताओं पर बात हुई। उन्होंने कहा, "सबसे पहले, हमने गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण और पुरानी गाड़ियों से निपटने के तरीकों पर गौर किया। हमने बसों के लिए नई ईवी पॉलिसी की भी समीक्षा की और सर्टिफिकेट व

एपीग्रेटर गाड़ियों की जरूरत के साथ-साथ गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण से निपटने के लिए और ज्यादा असरदार कदमों पर चर्चा की।" औद्योगिक प्रदूषण पर यादव ने कहा कि काफी प्रगति हुई है। उन्होंने कहा, "हमने देखा है कि 80 प्रतिशत उद्योगों ने पहले ही वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण लगा लिए हैं। हम बाकी उद्योगों की समीक्षा करने पर भी काम कर रहे हैं।" उन्होंने आगे कहा कि धूल से होने वाला प्रदूषण भी एक मुख्य फोकस एरिया था और सड़कों की मशीनीकृत और गहरी सफाई के लिए एक कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

अमित शाह ने सरकारी कामकाज में बढ़ाई हिंदी की पैठ, तकनीक और अनुवाद पर दिया जोर

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं संचारिता मंत्री अमित शाह की हिंदी सेवा एक नहीं, अनेक दृष्टियों से ध्यान देने योग्य है। मूलतः गुजरातीभाषी शाह स्वयं हिंदी में काम करते हैं, इसलिए स्वाभाविक तौर पर हिंदी में सरकारी कामकाज बढ़ा है। शाह के कारण सरकारी पत्रावलियां हिंदी में बनती हैं। शाह के मार्गदर्शन में केंद्रीय गृह मंत्रालय राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए योजनाओं, अनुवाद-कार्य और हिंदी-सलाहकार समितियों के माध्यम से लगातार प्रयासत है। शाह हिंदी को प्रशासन, शिक्षा, विज्ञान,

तकनीक, पत्रकारिता और उच्च ज्ञान-विमर्श की भाषा बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण सामग्री, आधुनिक शब्दावली और अनुवाद की मजबूत व्यवस्था की अनवरत हिमायत करते हैं। हिंदी के प्रति अमित शाह का लगाव केवल औपचारिक राजभाषा-नीति तक सीमित नहीं दिखाई देता। वर्ष 2019 में हिंदी दिवस के अवसर पर उन्होंने हिंदी को स्वतंत्रता आंदोलन की चेतना से जोड़ा था। गत वर्ष 2025 में भी शाह ने हिंदी दिवस पर आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में हिंदी के संवर्धन से जुड़े कार्यक्रमों को



आगे बढ़ाने पर बल दिया था। पिछले एक वर्ष में माननीय गृह मंत्री जी ने नेतृत्व में राजभाषा विभाग ने हिंदी के साथ-साथ भारतीय भाषाओं के लिए

भी कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। जून 2025 में भारतीय भाषा अनुभाग की शुरुआत हुई। इसका उद्देश्य भारतीय भाषाओं के बीच संवाद बढ़ाना और

उन्हें तकनीक तथा प्रशासन से जोड़ना है। इस पहल से राजभाषा विभाग के काम का दायरा भी व्यापक हुआ है। विभाग ने नगर राजभाषा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं को जोड़ने के लिए कई तकनीकी व प्रशासनिक पहल की गई हैं। शाह हिंदी को अन्य भाषाओं की प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि परस्पर संवाद की समावेशी भाषा मानते हैं। उनका यह दृष्टिकोण भाषावी विविधता.....

कार्यान्वयन समितियों यानी नराकासों के काम को प्रोत्साहित करने के लिए ह्वनराकास प्रोत्साहन सम्मान की व्यवस्था भी शुरू की है। इससे उन नराकासों को आगे आने का अवसर मिलेगा, जो अपने क्षेत्र में राजभाषा के काम को बेहतर ढंग से आगे बढ़ा रही हैं। तकनीक के क्षेत्र में भी राजभाषा विभाग ने नई पहल की है। ह्यभारती - बहुभाषी अनुवाद सारथी के माध्यम से हिंदी से भारतीय

भाषाओं के बीच अनुवाद को आसान बनाने की दिशा में काम हुआ है। इसके साथ ह्यहिंदी शब्द-सिंधु जैसे शब्दकोश को भी विकसित किया गया है। ह्यहिंदी शब्द-सिंधु में विभिन्न भारतीय भाषाओं के शब्दों को शामिल किया जा रहा है। इसका उद्देश्य हिंदी को दूसरी भारतीय भाषाओं से जोड़ना है, न कि उनसे अलग करना। इन प्रयासों से साफ है कि राजभाषा का काम अब केवल

सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग तक सीमित नहीं है। यह भाषा, तकनीक और भारतीय भाषाओं के बीच नए संबंध बनाने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। शाह के हिंदी प्रेम का एक उल्लेखनीय पक्ष यह भी है कि वे हिंदी को भारतीय भाषाओं की प्रतिद्वंद्वी के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय उनके साथ चलने वाली भाषा के रूप में देखते हैं। अमित शाह का हिंदी प्रेम हिंदी के विकास के साथ भारतीय भाषाओं के सम्मान और संरक्षण के रूप में आगे बढ़ता है। कहना न होगा

संपादकीय

सुविधा का लेन-देन

इसमें दो राय नहीं कि पिछले एक दशक में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई देश में लेन-देन के एक लोकप्रिय और विश्वसनीय माध्यम के रूप में स्थापित हुआ है। इससे भी बढ़कर भारत की निरंतर डिजिटल होती अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ भी बना है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी अध्यादेश में दो हजार रुपये से अधिक के लेन-देन पर मचेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर चार्जें कारोबारियों के ऊपर लगाने की बात कही गई है। इस घोषणा ने सरल-सुलभ लेन-देन करने वाले करोड़ों उपभोक्ताओं के मन में कई सवालों को जन्म दिया है। हालांकि, राहतकारी यह है कि नोटिफिकेशन में दो हजार तक के यूपीआई लेन-देन और रूpe डेबिट कार्ड पेमेंट्स पर कोई शुल्क न लगाने की बात कही गई है। लेकिन इससे देश में अधिक मूल्य वाले यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर चार्जें लगाने का रास्ता खुल गया है। वैंकों, सेवा प्रदाता संस्थाओं व विभिन्न एप्सोसिएशनों के प्रतिनिधि जल्द ही दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर शुल्क निर्धारण करेंगे। निस्संदेह किसी भी बेहतर सुविधा के लिए उपभोक्ता की भी आर्थिक जवाबदेही बनती है। उल्लेखनीय है कि साल 2016-17 में महज 0.07 लाख करोड़ रुपये के लेन-देन मूल्य से यूपीआई के जरिये 314 लाख करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ। वैसे आम उपभोक्ता पर सीधे तौर पर एमडीआर लगने का प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि देश में 96 फीसदी लेन-देन दो हजार रुपये की सीमा में ही आता है। लेकिन यदि कारोबारियों पर दो हजार से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर शुल्क लगता है तो येन-केन-प्रकारेण वे इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डालने का ही प्रयास करेंगे। वास्तव में आज जब साइबर फ्रॉड के मामलों में लगातार अप्रत्याशित तेजी आ रही है तो हर रोज होने वाले करोड़ों डिजिटल भुगतानों की सुरक्षा करना भी जरूरी हो जाता है। विशेषकर, छोटे विक्रेताओं और आम उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए। निस्संदेह, सरकार का यह तर्क वाजिब है कि इतने बड़े इकोसिस्टम को हमेशा सरकारी अनुदान के भरोसे नहीं चलाया जा सकता है।

चिंतन-मन

सम्मान करो संपूर्णता से

तुम किसी का सम्मान उसकी ईमानदारी, बुद्धिमत्ता, प्रेम और कार्य कुशलता जैसे सदगुणों के लिए करते हो परंतु समय के साथ-साथ इन गुणों में परिवर्तन आता है। जिसके कारण तुम उनका सम्मान नहीं कर पाते। तुम केवल सदगुणों का, महानता का सम्मान करते हो। मैं संपूर्णता से हर एक का सम्मान करता हूं। इसीलिए किसी भी व्यक्ति के लिए मेरा सम्मान कम नहीं होता। सम्मान पाने के लिए किसी को महान होने की आवश्यकता नहीं। जीवन का सम्मान महान बनाता है। दूसरों से सम्मान की अपेक्षा मत करो। यह कमजोर बनाता है। आत्मा का सम्मान करो। तब कोई तुम्हारे आत्म सम्मान को ले नहीं सकता। जब कोई तुम्हें सम्मान देता है, तो इसलिए नहीं कि तुममे कुछ विशेष गुण हैं। यह उनकी महानता और उदारता के कारण है। यदि तुम कहते हो, ईश्वर महान है, यह तुम्हें महान बनाता है। ईश्वर तो महान हैं ही- तुम्हारे कहने से ईश्वर को कोई फर्क नहीं पड़ता। जब तुम किसी को सम्मान देते हो, यह तुम्हारी विशालता दर्शाता है। यदि तुम सबका सम्मान करते हो तो उतना अधिक तुम्हारा मोल है। वह ज्ञानी है, जो सबका सम्मान करता है। सम्मान देना उन्नत चेतना का गुण है। आत्मा के प्रति सम्मान निष्ठा है और निष्ठा है उन्मुक्त होना। जिस प्रकार तुम मुझे सम्मान देते हो, उसी तरह सबको सम्मान दो। परंतु जो अपेक्षा तुम सबसे करते हो, वह सबसे मत करो। प्रायः तुम इसका उल्टा करते हो। तुम सबको वह आदर नहीं देते, जो मुझको देते हो पर आशा करते हो कि वे तुम्हें खुशी दें, तुमसे उत्तम व्यवहार करें। जब उनका व्यवहार तुम्हारी अपेक्षानुसार नहीं होता, तब तुम निराश होते हो और उनको दोषी ठहराते हो, उनकी निन्दा करते हो। निन्दा करने से, अभिशाप देने से, तुम्हारी आध्यात्मिक शक्ति क्षीण होती है। आशीर्वाद तुम्हारी आध्यात्मिक शक्ति बढ़ाता है। सहनशीलता, धैर्य और विवेक से कुशलतापूर्वक आगे बढ़ो। यदि तुम्हारे आसपास मूर्ख हैं, तो समझो, वे तुम्हें और बुद्धिमान बनाएंगे। तुम कितने केद्रित हो, यह तुम्हारे आसपास रहने वाले मूर्खों की संख्या से मालूम पड़ता है। मूर्खों को हटाने का प्रयास मत करो। यदि तुम केन्द्रित नहीं हो, तो तुममे उनको बदरश्त करने का धैर्य नहीं होगा। जब तुम पूर्ण रूप से आत्मस्थित हो, तब पाते हो कि मूर्ख से भी ज्ञान मिल सकता है। वे तुम्हारे ही प्रतिबिम्ब हैं। मूर्ख तुम्हें हताश भी कर सकते हैं, या ज्ञान भी दे सकते हैं, चुनाव तुम्हारा है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552



सुरेश हिंदुस्तानी

तकनीक ने मनुष्य को संवाद के ऐसे साधन उपलब्ध करा दिए हैं, जिनकी कल्पना कुछ दशक पहले तक असंभव लगती थी। अब एक क्लिक पर दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से संपर्क स्थापित हो जाता है। हजारों मित्र, सैकड़ों समूह, लगातार आती सूचनाएं और हर क्षण सक्रिय रहने वाली आभासी दुनिया ने यह भ्रम पैदा कर दिया है कि मनुष्य पहले से कहीं अधिक जुड़ा हुआ है।



दुनिया की अदालतों में लंबित मुकदमों की कुल तादाद से अधिक तादाद हमारे इकतीते देश भारत में लंबित मुकदमों की है। हालत यह है कि लाखों लोगों को अपने जीवन में अदालत में लंबित मुकदमे का फैसला नहीं मिल पाता है हालांकि देश में कानून का संविधान का शासन है लेकिन यह कैसी कानून व्यवस्था है जिसमें न्याय पाने की लालसा में जिनदगी बीत जाती है लेकिन न्याय नहीं मिलता है।और ऐसी लेटलतीभी भरी कानून व्यवस्था में कैसे किसी का विश्वास बना रह सकता है? देश में बढ़ती अराजकता भ्रष्टाचार और अपराध के लिए यही न्याय व्यवस्था जिम्मेदार है क्योंकि अपराधी को पता है कि अदालत की सुनवाई में दशकों बीत जाते हैं और तब तक गवाह को डरा धमका कर या प्रलोभन देकर पक्षद्रोही कर लिया जाएगा और अपराधी बाईज्जत बरी होने में सफल हो जाता है। यही वजह है कि देश में दोषसिद्धी (कनविकशन) की दर बहुत कम सिर्फ 5.4 फीसद है. कहा जाता है कि देर से मिलने वाला न्याय, न्याय न मिलने के बराबर है. लेकिन देश की अदालती प्रक्रिया इस तरह जटिल और दुरूह है कि लोग अदालतों के चक्कर लगाते जीवन के बहुमूल्य समय को बर्बाद करते हैं और जब अदालत से न्याय मिलता है तब बहुत देर हो चुकी होती है। भारत की अदालतों में इस समय लगभग 5.86 करोड़ से अधिक मामले लंबित (पेंडिंग) हैं. उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार देश भर में लगभग 5.86 करोड़ मामले अद-के हुए हैं। जिला व निचली अदालतों में सबसे अधिक करीब 5.2 करोड़ मामले निचली अदालतों में लंबित हैं। उच्च न्यायालयों में लगभग 64.97 लाख मामले लंबित हैं। सर्वोच्च न्यायालय सुप्रीम कोर्ट में लगभग 95,000 मामले लंबित हैं। मुकदमों के लंबित होने के

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में यूपीआई केवल भुगतान का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह रोजमर्रा के आर्थिक व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सब्जी वाले से लेकर बड़े कारोबारी तक, टैक्सि से लेकर ऑनलाइन खरीदारी तक और घरेलू लेन-देन से लेकर व्यावसायिक भुगतान तक- यूपीआई ने पैसे के लेन-देन की आदत, गति और भाषा तीनों बदल दी हैं। ऐसे में यूपीआई से जुड़े शुल्क की व्यवस्था केवल बैंकिंग या फिनटेक कंपनियों का कारोबारी विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध उपभोक्ता की आदत, छोटे व्यापार की लागत और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा से है। यहाँ एक तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। सितंबर 2026 में सरकार ने जो नया ढांचा स्पष्ट किया है, उसके अनुसार व्यक्ति से व्यक्ति यानी पी2पी को यूपीआई भुगतान किसी भी राशि पर नि-शुल्क रहेगा। ₹.2,000 तक के व्यापारी भुगतान पर भी एमडीआर नहीं है। ₹.2,000 से अधिक के कुछ पी2एम यानी ग्राहक से व्यापारी भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर का प्रावधान किया गया है और ₹.75,000 या उससे अधिक के लेन-देन पर प्रति लेन-देन अधिकतम ₹. 300 की सीमा रखी गई है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह शुल्क ग्राहक से सीधे वसूल किया जाने वाला लेन-देन शुल्क नहीं है, बल्कि व्यापारी-पक्ष का एमडीआर है। फिर भी इस बदलाव को केवल 'शुल्क लगा या नहीं लगा' के प्रश्न तक सीमित करना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय तक टिकाऊ कैसे बनाया जाए और उसकी लागत किसके हिस्से में जाए। यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी सरलता और लगभग बिना लागत की अनुभूति रही है। अगस्त 2026 में यूपीआई पर करीब 24.51 अरब लेन-देन हुए, जिनका कुल मूल्य लगभग ₹.29.82 लाख करोड़ रहा। यह आंकड़ा बताता है कि यूपीआई अब किसी वैकल्पिक भुगतान माध्यम की श्रेणी में नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक जीवन के बुनियादी ढांचे में शामिल हो चुका है। यूपीआई के इस विस्तार के पीछे एक मनोवैज्ञानिक परिवर्तन भी हुआ है। लोगों ने डिजिटल भुगतान को केवल सुविधा नहीं, स्वाभाविक व्यवहार मान लिया है। पहले दस रुपये, पचास रुपये या सौ रुपये के लिए जेब से नकद निकालना सामान्य थाय आज वही भुगतान मोबाइल से कुछ सेकंड में हो जाता है। जब कोई सेवा वषों तक नि-शुल्क उपलब्ध रहती है तो उपभोक्ता उसके पीछे मौजूद तकनीकी, बैंकिंग और साइबर-सुरक्षा लागत को लगभग भूल जाता है। इसलिए बाद में किसी प्रकार का शुल्क या लागत सामने आने पर स्वाभाविक रूप से असहजता पैदा होती है। यहीं आधुनिक बाजार व्यवस्था की एक बड़ी विसंगति

विचार मंथन

सोशल मीडिया की भीड़ में अकेला होता व्यक्ति

लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक गंभीर सामाजिक विडंबना भी आकार ले रही है, संपर्क बढ़ रहे हैं, संवाद घट रहा है और भीड़ बढ़ने के बावजूद मनुष्य भीतर से अकेला होता जा रहा है। उसे आत्मीयता भरे शब्दों की प्रतीक्षा रहती है। लेकिन दुनिया के व्यक्ति केवल ज्ञान देने तक ही सीमित रहते हैं, साथ चलने को कोई तैयार नहीं होता। सोशल मीडिया ने दूरी अवश्य कम की है, लेकिन निकटता की परिभाषा बदल दी है। पहले किसी अपने से मिलने के लिए समय निकालना पड़ता था। आमने-सामने बैठकर बातचीत होती थी, चेहरे के भाव पढ़े जाते थे और मौन भी संवाद का हिस्सा होता था। अब किसी के जीवन में हमारी उपस्थिति कई बार केवल एक हलाइकक्रॉ, एक इमोजी या कुछ शब्दों की टिप्पणी तक सीमित हो गई है। जन्मदिन पर दर्जनों शुभकामनाएं मिल जाती हैं, लेकिन संकट की घड़ी में कंधा देने वाला व्यक्ति तलाशना कठिन हो रहा है। इसी कारण आज हर कोई अकेलेपन की गहराई में लगातार घुसता ही जा रहा है। यह बात सच है कि जो व्यक्ति से मिल

कछुआ की गति से भी धीमी है देश की अदालतों की चाल

मुख्य कारण न्यायाधीशों की कमी होना भी है। देश में प्रति 10 लाख लोगों पर केवल 21 जज हैं, जबकि विधि आयोग ने 50 जजों की सिफारिश की थी। सरकार खुद बड़ी वादी है कुल लंबित मामलों में से लगभग 50% मामलों में सरकार खुद एक पक्ष या वादी है। भूमि और संपत्ति विवाद: लगभग 20% मामले जमीन और संपत्ति के विवादों से जुड़े हैं।प्रक्रियागत देरी भी एक बड़ी समस्या है। बार-बार तारीखें लेना, कागजी कार्रवाई में देरी और पुराने तौर-तरीके में कोई बदलाव नहीं आया है। अजए देश में पीड़ितों को न्याय के इंतजार में वर्षों लग रहे हैं और अदालतों में जारी तारीख पर तारीख के गलत रवैये के चलते मुकद्दमों के लटकते चले जाने के कारण न्याय की प्रतीक्षा में ही लोगों की पूरी जिंदगी बीत रही है ऐसी ही चंद घटनाओं से आपको रूबरू कराते हैं 4 फरवरी को गुजरात हाई कोर्ट ने नवम्बर, 1996 से लटकते आ रहे 30 वर्ष पुराने एक मामले में पुलिस कॉन्स्टेबल बाबूभाई प्रजापति को एक ट्रक ड्राइवर से 20 रुपयों की रिश्तत लेने के आरोप में बाइज्जत बरी कर दिया। वर्ष 2004 में निचली अदालत ने उसे 4 वर्ष की सजा सुनाई थी जिसके कारण बाबूभाई प्रजापति की नौकरी और पैंशन सब चली गई। बाबूभाई प्रजापति ने उक्त फैसले के विरुद्ध हाई कोर्ट में न्याय की गुहार लगाई थी। बरी होने के बाद बाबूभाई प्रजापति ने अपने वकील से कहा था, मेरे जीवन से यह कलंक मिट गया, अब यदि भगवान मुझे उठा भी लें तो कोई दुख नहीं। इसे संयोग ही कहा जाएगा कि फैसला आने के अगले ही दिन 5 फरवरी, 2026 को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। 5 अप्रैल को दिल्ली हाई कोर्ट ने गवाहों के बयानों में भारी कमियों के दृष्टिगत सदैह का लाभ देते हुए 2 ईजीनियर्स वी. के. दत्ता और दिनेश भर्ग को 35 वर्ष पूं 20 सितम्बर, 1991 को उन पर लगे 1,800 रुपए रिश्तत मांगने के आरोपों से यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष रिश्तत की मांग को साबित करने में नाकाम रहा है। निचली अदालत ने वर्ष 2002 में इन्हें 2 वर्ष कैद की सजा सुनाई थी। 1 जुलाई को लखनऊ की सी.बी.आई. अदालत ने लखनऊ बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष इंद्रदेव सिंह की 8 अगस्त, 2002 को हत्या के लगभग 23 वर्ष बाद फैसला सुनाते हुए विक्रम यादव उर्फ कालिया,

सकता है, उसे तकनीक कभी नहीं दे सकती। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत संबंधों तक सीमित नहीं है। इसका प्रभाव परिवार और समाज की संरचना पर भी दिखाई दे रहा है। एक ही घर में रहने वाले लोग कई बार अपने-अपने मोबाइल की स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं। भोजन की मेज पर बातचीत के बजाय सूचनाओं की जांच होती है। बच्चे माता-पिता के साथ समय बिताने के बजाय डिजिटल मनोरंजन में डूबे रहते हैं और माता-पिता भी अपनी आभासी दुनिया में व्यस्त रहते हैं। परिणाम यह है कि घर भौतिक रूप से साथ होते हुए भी भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं। इसी से परिवार के सदस्यों के बीच दूरियां बढ़ती जाती हैं, और यही परिवार टूटने का एक बड़ा कारण भी है।इससे भी व्यक्ति अवसाद की ओर अग्रसर होता जाता है। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि उसने मनुष्य को स्वयं को प्रस्तुत करने का अभूतपूर्व मंच दिया, लेकिन स्वयं को समझने का अवसर कम कर दिया। यहाँ हर व्यक्ति अपने जीवन का चुना हुआ हिस्सा प्रदर्शित करता है। दूसरों के

पन्ना सिंह और बृजेश यादव को उभ्रकैद की सजा सुनाई। सुनवाई के दौरान अन्य आरोपी मन्नालाल, वेद प्रकाश व छोटेलाल पर चुर्के हैं। 19 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 1996 के 30 वर्ष पुराने मामले में फैसला सुनाते हुए गुजरात सरकार के 2 कर्मचारियों (1 क्लर्क और 1 चपरासी) को बरी कर दिया क्योंकि उन पर अभियोग पक्ष अपना आरोप सिद्ध न कर सका। इन दोनों पर एक छत्र को वजीफे के लिए आय प्रमाण पत्र जारी करने के बदले में 20 रुपए की रिश्तत लेने का आरोप था और निचली अदालत ने उन्हें एक वर्ष की सजा सुनाई थी। 25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने डबल मर्डर से जुड़े लगभग 45 वर्ष पुराने मामले में देश की न्यायिक प्रणाली की विफलता पर बेहद सख्त और चिंताजनक टिप्पणी की। निचली अदालत को इस मामले का द्रावल (सुनवाई)पूरा करने में ही 22 वर्ष लग गए। इसके बाद, जब मामले की अपील की गई, तो झारखंड हाई कोर्ट ने भी अपना फैसला सुनाने में 22 वर्ष का लंबा समय लगा दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इस भयंकर देरी को न्यायिक व्यवस्था की विफलता कारा देते हुए 70 वर्षीय आरोपी की सजा को सस्पेंड (स्थगित) करते हुए उसे रिहा कर दिया। अदालत ने गोर किया कि 6 आरोपियों में से 2 की मौत आरोप तय होने से पहले ही हो गई थी जबकि दोषी जहराए गए 4 में से 3 आरोपियों की मौत हाई कोर्ट में ममला लंबित रहने के दौरान हो गई थी।

1 सितम्बर को सुप्रीम कोर्ट ने इंडियन बैंक के एक पूर्व ब्रांच मैनेजर को वर्ष 1991 से उसके विरुद्ध चल रहे 35 वर्ष पुराने भ्रष्टाचार के मामले में बरी कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने सी.बी.आई. पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि उसके लगाए हुए आरोप पूर्णतः मनमग्नित पाए गए।

अदालतों पर मुकद्दमों का भारी बोझ होने के चलते न्याय मिलने में विलंब को देखते हुए ही लोगों ने कई मामलों में स्वयं कानून हाथ में लेना शुरू कर दिया है और इसीलिए समय-समय पर लोगों द्वारा अपराध के शक में लोगों को पकड़ कर बिना सच्चाई जाने ही पीट-पीट कर मार डालने के समाचार तक आने लगे हैं।इस तरह की नौबत न आए इसके लिए जहाँ देश की छोटी-बड़ी सभी अदालतों में जजों की कमी यथाशीघ्र दूर करने की आवश्यकता है, वहीं अदालतों में न्याय प्रक्रिया को चुस्त तथा और तेज करने की भी

यूपीआई शुल्क: सुविधाओं का विस्तार या उपभोक्ता पर बोझ?



दिखाई देती है। अनेक डिजिटल और उपभोक्ता सेवाएं पहले मुनत, अत्यंत सस्ती या भारी छूट के साथ उपलब्ध कराई जाती हैं। उपभोक्ता को उस सुविधा का अभ्यस्त बनाया जाता है, बाजार में उसका व्यवहार बदलता है और प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ने के बाद लागत की नई संरचना सामने आती है। ओला-उबर जैसी सेवाओं से लेकर ऑनलाइन व्यापार, डिजिटल सदस्यता और विभिन्न प्लेटफॉर्म सेवाओं तक इस मॉडल के अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं। यह कहना उचित नहीं होगा कि हर मामले में यही रणनीति अपनाई जाती है, लेकिन उपभोक्ता के दृष्टिकोण से प्रश्न महत्वपूर्ण है-यदि किसी सेवा की दीर्घकालिक लागत है तो उसकी जानकारी शुरूआत से स्पष्ट क्यों न हो? यूपीआई के मामले में यह प्रश्न और गंभीर है क्योंकि इसके उपयोगकर्ता केवल शहरी मध्यमवर्ग नहीं हैं। छोटे दुकानदार, स्ट्रीट वेंडर, घरेलू उद्यमी, ग्रामीण उपभोक्ता और पहली बार बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े लोग भी इसके बड़े हिस्से हैं। सरकार की 2025 की प्रोत्साहन योजना में भी छोटे व्यापारियों के ₹.2,000 तक के भीम-यूपीआई भुगतान को शुन्य एमडीआर के दायरे में रखते हुए ₹.1,500 करोड़ का प्रावधान किया गया था। इसका उद्देश्य छोटे व्यापारियों के बीच डिजिटल भुगतान को बढ़ाना और भुगतान ढांचे को मजबूत करना था। इसलिए शुल्क की किसी भी व्यवस्था का पहला सिद्धांत होना चाहिए-छोटे भुगतान और छोटे कारोबार की रक्षा। ₹.100, ₹.500 या ₹.1,000 के भुगतान पर लागत बढ़ाने वाला मॉडल डिजिटल समावेशन की भावना के विपरीत जा सकता है। इसके विपरीत बड़े व्यावसायिक भुगतान से जुड़ी लागत को अलग तरीके से देखा जा सकता है, बशर्ते शुल्क

पारदर्शी, सीमित और पूर्व घोषित हो तथा उसका भार अनुचित रूप से ग्राहक पर न डाला जाए। यहाँ डेबिट और क्रेडिट कार्ड का उदाहरण भी महत्वपूर्ण है। यूपीआई के व्यापक प्रसार ने कार्ड भुगतान को रोजमर्रा के छोटे भुगतानों में पीछे धकेला है। यदि यूपीआई के कुछ बड़े व्यापारी लेन-देन पर लागत बढ़ती है तो कुछ कारोबारी वैकल्पिक भुगतान माध्यमों की ओर देख सकते हैं। कार्ड, नेट बैंकिंग, वॉलेट या अन्य डिजिटल माध्यम फिर कुछ क्षेत्रों में अधिक सक्रिय हो सकते हैं। इससे भुगतान बाजार में विविधता बढ़ सकती है, लेकिन यदि उपभोक्ता को हर माध्यम में अलग-अलग शुल्क, सुविधा और शर्तों का सामना करना पड़े तो डिजिटल भुगतान की सरलता कमजोर भी हो सकती है। इसलिए प्रतिस्पर्धा का उद्देश्य केवल माध्यम बदलना नहीं, बल्कि उपभोक्ता को बेहतर विकल्प देना होना चाहिए। दूसरी ओर यूपीआई को मुफ्त बनाए रखने की भी कीमत है। भुगतान प्रणाली को चौबीसों घंटे चलाने के लिए बैंकिंग सर्वर, डेटा सेंटर, साइबर सुरक्षा, घोखाघड़ी रोकने वाली प्रणालियां, ग्राहक सहायता और तकनीकी उन्नयन पर लगातार खर्च होता है। जैसे-जैसे लेन-देन बढ़ते हैं, वैसे-वैसे विश्वसनीयता और क्षमता पर निवेश की आवश्यकता भी बढ़ती है। सरकार की 2025 की योजना में भी तकनीकी विफलताओं को घटाने और सिस्टम अपटाइम सुधारने को प्रोत्साहन से जोड़ा गया था। इसलिए सवाल यह नहीं होना चाहिए कि यूपीआई की हर सेवा हमेशा मुफ्त रहे या नहीं, सवाल यह होना चाहिए कि उसकी लागत का न्यायपूर्ण और पारदर्शी वितरण कैसे हो। सरकार, बैंक, फिनटेक कंपनियां और भुगतान नेटवर्क यदि इस व्यवस्था से आर्थिक लाभ लेते हैं तो उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सुरक्षा,

जीवन की दिखाई देने वाली चमक जब लगातार हमारी आंखों के सामने रहती है, तो अनजाने में तुलना शुरू हो जाती है। हमें लगता है कि दूसरे हमसे अधिक सफल, अधिक खुश और अधिक संतुष्ट हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाला जीवन अक्सर संपूर्ण जीवन नहीं, उसका चर्यनित अंश होता है। जीवन वही सार्थक है, जिसमें समाज और परिवार का साथ हो। किसी भी प्रकार की तुलना करना हानिकारक ही है। यही तुलना धीरे-धीरे आत्मसंतोष को प्रभावित करती है। व्यक्ति अपने जीवन की वास्तविक उपलब्धियों के बजाय दूसरों की आभासी उपलब्धियों से स्वयं को मापने लगता है। लाइक और कमेंट सामाजिक स्वीकृति के नए पैमाने बन जाते हैं। पोस्ट पर प्रतिक्रिया कम मिले तो बेचैनी और अधिक मिले तो क्षणिक संतोष प्राप्त होता है। यह चक्र व्यक्ति को बाहरी मान्यता पर निर्भर करता जाता है। विडंबना यह है कि हजारों लोगों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने वाला व्यक्ति भी अपने मन की बात कहने के लिए एक विश्वसनीय व्यक्ति की तलाश कर सकता है।

जस्रूत है। यदि अदालतों में पर्वाप्त संख्या में जज ही नहीं होंगे तो फिर भला लोगों को समय पर न्याय किस प्रकार मिल सकता है। बिना किसी संदेह के, भारतीय अदालतों में मामलों की भारी तादाद में लंबित मामले न्याय व्यवस्था की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। आंकड़ों के अनुसार, देश की अदालतों में लंबित मामलों की कुल संख्या 5.4 करोड़ (54 मिलियन) से अधिक हो चुकी है, जिसमें पिछले एक दशक में लगभग 80% की भारी वृद्धि देखी गई है।इन लंबित मामलों का एक बड़ा हिस्सा (लगभग 85% से अधिक) निचली या अधीनस्थ अदालतों में है, वहीं, सर्वोच्च न्यायालय में भी लगभग 85,000 मामले लंबित हैं।। स्वीकृत पदों में से एक बड़ी संख्या खाली पड़ी रहती है। निचली अदालतों में हजारों पद और उच्च न्यायालयों में सैकड़ों पद लंबे समय से रिक्त हैं क्योंकि भर्ती और नियुक्ति की प्रक्रिया काफी धीमी और जटिल है। बुनियादी ढांचे या निचली अदालतों में कोर्ट हॉल, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर (जैसे वीडियो कॉन्फ़ेसिंग सुविधाएं) और सहायक कर्मचारियों (जैसे आशुलिपिक और क्लर्क) की कमी कमी है, जिससे दैनिक सुनवाई की गति धीमी हो जाती है। अंतः-विभागीय विवादों और अनावश्यक अपीलों के कारण अदालतों पर बोझ लगातार बढ़ता जाता है। प्रक्रियात्मक कमियां और स्थान अनुपलब्धी प्रक्रियाओं में बार-बार मिलने वाली तारीखें , बार-बार की जाने वाली अपीलें, और मुकदमों के प्रबंधन की कुशल प्रणाली न होना मामले को सालों-साल खींचता है। वैकल्पिक विवाद समाधान का कम उपयोगव्यर्थता सुलह और लोक अदालतों जैसे वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्रों का देश में अभी भी उतना प्रभावी और व्यापक उपयोग नहीं हो पा रहा है जितना हमना चाहिए ताकि छोटे मामलों को कोर्ट से बाहर ही सुलझाया जा सके। सुधार के प्रयास:इस संकट से निपटने के लिए हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पुराने मामलों को तेजी से निपटाने के लिए विशेष बेंचों का गठन करने जैसे कदम उठाए गए हैं। साथ ही, सरकार द्वारा भर्ती प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए अखिल भारतीय न्यायिक सेवा की स्थापना का प्रस्ताव भी विचाराधीन है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

विश्वसनीयता और नवाचार पर पर्याप्त निवेश हो। शुल्क का उद्देश्य केवल राजस्व जुटाना नहीं, बल्कि बेहतर डिजिटल भुगतान व्यवस्था के निर्माण से जुड़ा होना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात उपभोक्ता विश्वास की है। डिजिटल अर्थव्यवस्था विश्वास पर चलती है। यदि आज किसी सेवा को 'मुफ्त' बताया जाए और कल अनामक उसकी लागत सामने आए, तो उपभोक्ता में अविश्वास पैदा हो सकता है। इसलिए भविष्य में किसी भी डिजिटल भुगतान व्यवस्था की शुरूआत करते समय उसकी संभावित लागत, शुल्क संरचना और उसे लागू करने की परिस्थितियां पहले से स्पष्ट होनी चाहिए। उपभोक्ता को यह पता होना चाहिए कि कौन-सी सेवा नि-शुल्क है, किस पर लागत है, लागत कौन वहन करेगा और उसका अधिकतम स्तर क्या होगा। भारत तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार कर रहा है। ऐसे समय में यूपीआई की सफलता को केवल लेन-देन की संख्या से नहीं, बल्कि उसकी स्थिरता, सुरक्षा, पहुंच और उपभोक्ता विश्वास से मापना होगा। भारत की विकास-आकांक्षाओं के लिए उत्पादकता, नवाचार और मजबूत डिजिटल आधारभूत ढांचा महत्वपूर्ण हैं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष भी भारत की उत्पादकता और नवाचार क्षमता को दीर्घकालिक विकास से जोड़ता है। यूपीआई शुल्क की बहस इसलिए वास्तव में 'शुल्क बनाम मुफ्त' की बहस नहीं है। यह उस आर्थिक दर्शन की परीक्षा है जिसमें डिजिटल सुविधा आम आदमी तक सस्ती, सरल और सुरक्षित रूप में पहुंचती है। छोटे भुगतान मुफ्त रहें, छोटे व्यापारियों पर अनावश्यक भार न पड़े, बड़े व्यावसायिक लेन-देन में लागत की तार्किक व्यवस्था हो, शुल्क की जानकारी पहले से सार्वजनिक हो और उससे प्राप्त संसाधन भुगतान को सुरक्षा व क्षमता बढ़ाने में लगें, ऐसा संतुलन ही टिकाऊ रास्ता हो सकता है। भारत को डिजिटल भुगतान का विस्तार रोकना नहीं, बल्कि उसकी अगली पीढ़ी तैयार करनी है। यूपीआई की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसने भुगतान को बैंक की शाखा और बटुए की सीमा से निकालकर मोबाइल की स्क्रीन तक पहुंचा दिया। अब अगली चुनौती यह है कि यह सुविधा आर्थिक रूप से टिकाऊ भी रहे और आम उपभोक्ता के लिए सफा भी। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत में डिजिटल भुगतान केवल तकनीक नहीं, आर्थिक जीवन की धड़कन है। इसलिए इसकी कीमत तय करते समय बाजार की कमाई से अधिक महत्वपूर्ण होना चाहिए-उपभोक्ता का विश्वास, छोटे कारोबार की क्षमता और डिजिटल भारत की दीर्घकालिक विश्वसनीयता।' (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अमरोहा यातायात पुलिस ने स्कूली वाहनों के खिलाफ चलाया चेकिंग अभियान



अमरोहा (सब का सपना):- शुक्रवार को एसपी के निर्देशन और सीओ ट्रैफिक के पर्यवेक्षण में यातायात पुलिस ने स्कूली बच्चों को ले जाने वाले वाहनों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया। अभियान

के दौरान ऐसे वाहनों की जांच की गई जिनमें अतिरिक्त सीट लगाकर बच्चों को स्कूल लाया-ले जाया जा रहा था। यातायात पुलिस ने वाहनों की अतिरिक्त सीटें कटवाकर एमवी एक्ट के तहत कार्रवाई की। साथ ही



ओवरलोड वाहनों के खिलाफ भी अभियान चलाया गया। पुलिस ने स्कूली बच्चों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान लगातार

जारी रहेगा। वाहन चालकों को हिदायत दी गई है कि वे स्वयं अपने वाहनों से अतिरिक्त सीटें हटा लें, अन्यथा अतिरिक्त सीट मिलने पर भारी जुमाना लगाकर कार्रवाई की जाएगी।

मंडी धनौरा भागीरथी देवी कॉलेज में राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल का आयोजन, एनसीसी कैडेट्स को आपदा प्रबंधन की ट्रेनिंग



धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा स्थित भागीरथी देवी महाविद्यालय में शुक्रवार को एक राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। जिसमें एनसीसी कैडेट्स को आपदा प्रबंधन के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। इस मॉक ड्रिल का आयोजन 33 वाहिनी एनसीसी अमरोहा के कर्नल गौतम राय के निर्देश अनुसार कराया गया जिसमें 132 एनसीसी कैडेट्स को भूकंप ,रासायनिक हादसों एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से बचाव का प्रशिक्षण दिया गया। बता दें कि कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक शतानंद

शर्मा की उपस्थिति में हुई। विशिष्ट अतिथियों में एसडीएम शैलेश कुमार दुबे, तहसीलदार मूसाराम थारू, अवधेश कुमार वर्मा, बीडीओ प्रतिभा अग्रवाल, थाना अध्यक्ष सत्येंद्र सरोहा और पुलिस कंट्रोल रूम एए रामनिवास सिंह शामिल थे। जिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे ने अधिकारियों से अपील की कि सभी NCC कैडेट्स को बेहतर ट्रेनिंग दी जाए। इससे वे भविष्य में किसी भी प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदा के समय सबसे आगे रहकर राहत और बचाव कार्य कर सकेंगे। मुख्य अतिथि शतानंद शर्मा ने 'जेन जी' (Gen Z) युवाओं से कहा कि यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का युग है। युवा



कैडेट्स अपने मोबाइल को विज्ञान का वरदान मानकर आपदा प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी इकट्ठा करें। साथ ही समाज को भी सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। प्रशिक्षण सत्र के दौरान जिला आपदा मित्र कैप्टन पवन कुमार ने भूकंप से बचाव के तरीके बताए। उन्होंने छात्रों को सुरक्षित बाहर निकालने और सीपीआर (CPR) देने की विधि भी सिखाई। फायरमैन कुलदीप कुमार ने अग्निशमन प्रशिक्षण दिया। उन्होंने फायर एक्सटिंग्विशर पाउडर और पानी का सही इस्तेमाल करके आग पर काबू पाने का लाइव डेमो दिया। थाना

अध्यक्ष सत्येंद्र सरोहा ने आपदा के समय धैर्य रखने पर जोर दिया। रामनिवास सिंह ने तुरंत मदद को नैतिक जिम्मेदारी बताया। इस मॉक ड्रिल में भागीरथी देवी महाविद्यालय, वाईएमएस डिग्री कॉलेज, बाबा हरदेव सिंह डिग्री कॉलेज और श्री गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज के कैडेट्स ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. अभय कुमार, लेफ्टिनेंट संजीव कुमार, लेफ्टिनेंट संतोष कुमार सिंह, हवलदार अशफाक अहमद, हेड कांस्टेबल भावेश, डॉ. अनिल कुमार और जयवीर सिंह भी मौजूद थे।

गजरौला के नोबल पब्लिक स्कूल में धूमधाम से हुआ भगवान श्री गणेश का विसर्जन

विधायक राजीव तरारा ने पूजा-अर्चना कर लिया आशीर्वाद, गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से गूंजा परिसर



गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला स्थित नोबल पब्लिक स्कूल में गणेश चतुर्थी के अवसर पर स्थापित भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का शुक्रवार को विधि-विधान एवं श्रद्धा के साथ विसर्जन किया गया। इस अवसर पर धनौरा क्षेत्र के विधायक राजीव तरारा विशेष रूप से उपस्थित रहे। विधायक राजीव तरारा ने भगवान श्री गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती कर विद्यालय परिवार के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना

की तथा छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद दिया। इसके पश्चात भगवान श्री गणेश की प्रतिमा को श्रद्धा एवं उत्साह के साथ विसर्जन के लिए ले जाया गया। इस दौरान ह्णगणपति बप्पा मोरया, अमले बरस तू जल्दी आह के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। विसर्जन कार्यक्रम से पूर्व विद्यालय परिसर में प्रसाद वितरण किया गया। छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं उपस्थित अतिथियों ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर



विद्यालय के डायरेक्टर राजीव उपाध्याय एवं प्रधानाचार्य नवनीत उपाध्याय ने मुख्य अतिथि विधायक राजीव तरारा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्री गणेश विघ्नहर्ता एवं मंगलकर्ता हैं और उनके आशीर्वाद से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं सफलता बनी रहे, यही विद्यालय परिवार की मंगलकामना है। कार्यक्रम को सफल एवं भव्य बनाने में शुभम उपाध्याय, तोरिमा शर्मा सहित जया लक्ष्मी पांडे, सपना सिंघल, सोनम

चौधरी, शालिनी सिंह, दीपा शर्मा, अन्वर, रितिक, कपिल कुमार, प्रियांशी, मोहन, मनोज, पंकज, रेखा सिंह, रिकी गुप्ता एवं तरुण जग्गा सहित समस्त विद्यालय स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में विद्यालय प्रबंधन ने मुख्य अतिथि विधायक राजीव तरारा सहित सभी छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, शिक्षकों एवं सहयोगी सदस्यों का आभार व्यक्त किया तथा भगवान श्री गणेश से सभी के सुख, शांति एवं समृद्धि की प्रार्थना की।

ढाई लाख की चरस के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने चेकिंग के दौरान दबोचा, 2 किलो 576 ग्राम चरस समेत इलेक्ट्रॉनिक कार्टे और बाइक बरामद

रजपुरा/संभल(सब का सपना):- जनपद में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना रजपुरा पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस टीम ने गुरुवार देर रात गवां-संभल मार्ग पर ग्राम लहरारत की पुलिसिया के पास चेकिंग के दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान 576 ग्राम अवैध चरस बरामद हुई। पुलिस के मुताबिक बरामद चरस की अनुमानित बाजार कीमत करीब 2.5 लाख रुपये है। पुलिस के अनुसार थाना रजपुरा पुलिस टीम गुरुवार रात गवां-संभल रोड पर ग्राम लहरारत की पुलिसिया के पास वाहनों और सड़िध व्यक्तियों को चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने तीन सड़िध युवकों को रोककर उनकी तलाशी ली। तलाशी में उनके पास से बड़ी मात्रा में चरस बरामद होने पर पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तेजवीर पुत्र वीर सिंह उम्र 24 वर्ष,



अजय वाल्मीकि पुत्र किशनलाल उम्र 28 वर्ष तथा अजय उर्फ कुंवर पुत्र लीलाधर उम्र 22 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 किलो 576 ग्राम चरस के अलावा चरस की तौल के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले दो इलेक्ट्रॉनिक कटि, तीन मोबाइल फोन, एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल और 1,550 रुपये

की नकदी भी बरामद की है। पुलिस का कहना है कि इलेक्ट्रॉनिक कार्टों और अन्य बरामद सामान के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। बरामदगी के बाद तीनों आरोपियों के खिलाफ थाना रजपुरा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद तीनों

आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार जनपद में नशीले पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा तथा नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

भूकंप आपदा से निपटने को पुलिस-प्रशासन ने किया मॉक ड्रिल



अमरोहा (सब का सपना):- भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए गुरुवार को थाना अमरोहा देहात क्षेत्र के मिड टाउन अपार्टमेंट में पुलिस-प्रशासन द्वारा एनसीसी कैडेट्स के साथ मॉक ड्रिल का

आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल में भवन में भूकंप से आकस्मिक स्थिति उत्पन्न होने की काल्पनिक परिस्थिति बनाकर रेस्क्यू एवं राहत-बचाव कार्य का अभ्यास किया गया। प्रभावितों को सुरक्षित बाहर



निकालने, प्राथमिक उपचार देने और त्वरित कार्रवाई का अभ्यास कराया गया। अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों व कैडेट्स को आपदा के समय घबराए बिना धैर्य और तत्परता से काम करने और आपसी समन्वय

बनाए रखने के निर्देश दिए। पुलिस का कहना है कि मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपदा प्रबंधन की तैयारियों का परीक्षण और विभागों के बीच समन्वय को मजबूत करना है।

धनौरा क्षेत्र में युवक को डंडों से पीटने का वीडियो वायरल, जांच में जुटी पुलिस

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- एक युवक को कुछ दबंगों द्वारा डंडों से पीटने का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो के सामने आने के बाद क्षेत्रीय लोगों में आक्रोश का माहौल है उधर पुलिस ने भी वायरल वीडियो के आधार पर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि कि पूरा मामला थाना मंडी धनौरा के मुकारमपुर गांव का है जहां एक युवक के साथ कुछ दबंगों द्वारा मारपीट करने की एक घटना सामने आई है। यहां एक युवक को घेरकर डंडों से पीटा गया। इस घटना का वीडियो गुरुवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद इलाके



में आक्रोश है और यह घटना चर्चा में बनी हुई है। पुलिस ने मामले की जानकारी मिलने पर जांच शुरू कर दी है। वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि चार से पांच युवक एक युवक को चारों तरफ से घेरकर डंडों से लगातार मार रहे हैं। पीड़ित युवक खुद को बचाने की हर कोशिश करता नजर आ रहा है, लेकिन

हमलावर उस पर लगातार वार करते जा रहे हैं। हैरान करने वाली बात यह भी है कि घटना के समय आसपास कुछ और लोग भी मौजूद थे, लेकिन किसी ने भी पीड़ित को बचाने की कोशिश नहीं की। मारपीट के दौरान वहीं मौजूद एक अन्य युवक पूरे घटना का अपने मोबाइल फोन से वीडियो बनाता रहा। बाद में इसी

वीडियो को सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया गया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया। हालांकि, यह घटना किस दिन की है और मारपीट की मुख्य वजह क्या थी, इसका अभी तक साफ पता नहीं चल सका है। पीड़ित युवक कौन है और हमलावर किस रंजिश के तहत उस पर हमला कर रहे थे, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। शेरपुर चौकी प्रभारी राजकिशोर ने बताया कि मारपीट से जुड़ा वीडियो पुलिस के सज्जन में आ गया है। पुलिस वीडियो के आधार पर घटना से जुड़े सभी तथ्यों की गहराई से जानकारी जुटा रही है। वीडियो की सच्चाई की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हसनपुर में बंद बस सेवा शुरू करने की मांग को लेकर किया गया प्रदर्शन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- रोडवेज बस स्टैंड के बाहर बंद बस सेवाओं को शुरू किए जाने की मांग को लेकर शुक्रवार को राष्ट्र सेवा संगठन के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत संगठन के कार्यकर्ता हसनपुर रोडवेज बस स्टैंड पहुंचे और हसनपुर से बरेली व मेरठ जाने वाली बसों के संचालन रोके जाने के विरोध में नारेबाजी की। संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा



कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों को बस सेवा से जोड़ रही है, तहसील क्षेत्र

के ग्राम जेवड़ा को बस सेवा से जोड़ना सराहनीय है। लेकिन पहले से संचालित मेरठ-बरेली की बसें बंद होने से यात्रियों की भारी दिक्कत हो रही है। सभी ने बंद बस सेवाएँ तत्काल शुरू करने की मांग की। इस अवसर पर प्रांतीय गन्ना प्रमुख भारतीय किसान संघ महिपाल सिंह, चौ. परम सिंह, राजू चौहान, त्रिलोक सिंह, राजू सैनी, वसीम खान, मौ. चांद आदि मौजूद रहे।

सड़क हादसे में सीएचसी कर्मी गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में भर्ती

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा थाना क्षेत्र में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धनौरा में कार्यरत एक कर्मचारी सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया। इस हादसे में उसके हाथ में गंभीर चोट आई है। जिसके बाद कर्मचारी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां पर उसका उपचार जारी है। बता दें कि मंडी धनौरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के कर्मचारियों के साथ इन दिनों हादसे हो रहे हैं। लगातार हो रही दुर्घटनाओं से स्वास्थ्य कर्मियों में डर और चिंता बनी हुई है। इसके बाद कर्मचारियों ने अस्पताल परिसर में हवन-पूजन कराने की बात कही है। ताजा मामला शुक्रवार दोपहर ढाई बजे का है। सीएचसी में काउंसलर सुनील शर्मा अपनी ड्यूटी पूरी कर बाइक से अपने गांव मखदूमपुर लौट



रहे थे। पीपली तगा गांव में बिजलीघर से आगे पहुंचने पर पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही सुनील शर्मा सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की खबर मिलते ही सीएचसी के कर्मचारी अभिषेक वर्मा, डॉ. कुलदीप शर्मा, मोहित विश्वास, मनवीर सिंह और हिमांशु शर्मा तुरंत अपनी गाड़ी

से मौके पर पहुंचे। वे घायल सुनील शर्मा को सीएचसी धनौरा लाए। शुरुआती इलाज के बाद डॉक्टर रमाशंकर सिंह ने बताया कि उनके उल्टे हाथ में फ्रैक्चर आया है। घटना की जानकारी मिलते ही ड्यूटी का समय खत्म होने के बावजूद कई स्वास्थ्य कर्मी अस्पताल पहुंच गए। बता दें कि सिर्फ एक हफ्ते पहले भी सीएचसी के फार्मासिस्ट शैली

यादव एक हादसे का शिकार हुए थे। वह बाइक से सीएचसी आ रहे थे, तभी अस्पताल के सामने जल निगम द्वारा खोदी गई पाइपलाइन की वजह से उनके पैर की अंगुलियों में गंभीर चोट आ गई थी। शैली यादव भी चोट लगने के बावजूद अपने साथी सुनील शर्मा को देखने तुरंत सीएचसी पहुंचे। लगातार दो बड़े हादसों से डरे हुए स्वास्थ्य कर्मी अब अस्पताल में शांति के लिए हवन कराने पर चर्चा कर रहे हैं। इस दौरान घायल का हालचाल जानने के लिए विनोद जाटव, कुमारी ममलेश, मुस्कान कटियार, प्रशांत कुमार, संदीप सैनी, गौरव सैनी, चीफ फार्मासिस्ट मनवीर सिंह, भरत सिंह समेत डॉ. पूर्णिमा, डॉ. परवेज, डॉ. अनामिका चौधरी, डॉ. सीमा और डॉ. शिरीन सैफी सहित बड़ी संख्या में अस्पताल स्टाफ मौजूद था।

पेमेंट सेतु पोर्टल से क्यूआर कोड जनरेट करने की दी जानकारी

अमरोहा (सब का सपना):- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के तत्वावधान एवं सचिव अभिषेक कुमार व्यास, सिविल जज (सैनियर डिवीजन) के निर्देशन में 18 सितंबर 2026 को ब्लॉक जोया स्थित सीएमटीसी में जागरूकता बैठक आयोजित की गई। बैठक का प्रमुख विषय पेमेंट सेतु पोर्टल के माध्यम से क्यूआर कोड जनरेट करने की प्रक्रिया रहा। प्रतिभागियों को पोर्टल के उपयोग, क्यूआर कोड तैयार करने तथा डिजिटल भुगतान को सरल एवं सुविधाजनक बनाने की प्रक्रिया के



संबंध में जानकारी दी गई। डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित एवं जिम्मेदारी से उपयोग करने के लिए भी

जागरूक किया गया। इस अवसर पर महिला अधिकार, घरेलू हिंसा से संरक्षण, बाल विवाह निषेध कानून,

साइबर अपराध तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली नि:शुल्क विधिक सेवाओं की जानकारी भी दी गई। पैरा लीगल वॉलंटियर महेश सिंह ने कहा कि डिजिटल जानकारी और कानूनी जागरूकता आज के समय में प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक है। सही जानकारी के माध्यम से नागरिक अपने अधिकारों की रक्षा करने के साथ-साथ डिजिटल सेवाओं का सुरक्षित और प्रभावी उपयोग कर सकते हैं।

सम्भल में सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रज्वलित हुए दीप



संभल (सब का सपना):—सेवा संकल्प अभियान के तहत सम्भल जनपद में खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा वृहद स्तर पर दीप प्रज्वलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अभियान के दौरान जिले भर की उचित दर दुकानों तथा राशन कार्डधारक परिवारों के घरों को दीपों से जगमगाया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य दीप प्रज्वलन के माध्यम से समाज में सेवा

जनसहभागिता और सामाजिक एकजुटता का संदेश प्रसारित करना था। जिला पूर्ति अधिकारी शिवि गर्ग ने कार्यक्रम का विवरण साझा करते हुए बताया कि पूरे जनपद में कुल 1,43,950 दीप प्रज्वलित किए गए। इनमें से 48,650 दीप जिले के उचित दर विक्रेताओं की दुकानों पर तथा 95,300 दीप अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारक परिवारों के घरों पर जलाए गए।



व्यवस्था को सुचारु रूप से लागू करने के लिए एक निश्चित मानक तय किया गया था जिसके अंतर्गत प्रत्येक उचित दर दुकान पर 50 दीप और हर दुकान से जुड़े लाभार्थी परिवारों द्वारा 100 दीप जलाए जाने का लक्ष्य पूरा किया गया।

इस आयोजन ने निर्धारित समय के अनुसार सायंकाल में आयोजित इस दीप उत्सव में राशन विक्रेताओं और लाभार्थी परिवारों

ने बेहद उत्साह और उमंग के साथ सहभागिता की। शाम ढलते ही राशन दुकानें और पात्र परिवारों के आंगन दीपों की रोशनी से नहा उठे।

अनुसार सायंकाल में आयोजित इस दीप उत्सव में राशन विक्रेताओं और लाभार्थी परिवारों

जिलाधिकारी ने तुतीपुर इला स्थित डम्पिंग ग्राउंड का किया स्थलीय निरीक्षण

बहजोई/संभल (सब का सपना):—जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने सम्भल नगरपालिका क्षेत्र के तुतीपुर इला स्थित डम्पिंग ग्राउंड का औचक स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने डम्पिंग ग्राउंड में प्रतिदिन आने वाले कचरे की मात्रा का जायजा लिया और अधिकारियों को कचरे के प्रभावी एवं वैज्ञानिक प्रबंधन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने ट्रैमल मशीनों के माध्यम से कचरे की छंटई और रिसाइक्लिंग की संभावनाओं का परीक्षण करने पर बल दिया ताकि उपलब्ध संसाधनों में कचरे का बेहतर निस्तारण हो सके। जिलाधिकारी ने



नगर पालिका सम्भल के वाडों में तैनात सफाईकर्मियों और सफाई नायकों की विस्तृत जानकारी मांगी। उन्होंने निर्देश दिए कि वाडों में तैनात सफाई कर्मचारियों की सूची और

सफाई नायकों की तैनाती अर्वाधिक विवरण जिलाधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत किया जाए। इसके साथ ही नगर क्षेत्र की नियमित सफाई व्यवस्था की निगरानी करने और

डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन में लगी गाड़ियों ड्राइवरों और हेलपर्स की अद्यतन सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सम्भल विकास चन्द्र से महिष्मति नदी के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण की प्रस्तावित योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने नगर क्षेत्र में स्वच्छ वातावरण और जलस्रोतों के संरक्षण के लिए सभी संबंधित कार्यों को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पूरा करने का आह्वान किया। इस दौरान उप जिलाधिकारी विकास चन्द्र समेत अन्य संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

विश्वकर्मा दिवस पर केनरा बैंक आरसेटी में आयोजित हुआ विशेष कार्यक्रम

प्रशिक्षणार्थियों को हुनर निखारकर आत्मनिर्भर बनने का दिया संदेश



बहजोई/संभल(सब का सपना):—जनपद के केनरा बैंक आरसेटी बहजोई में गुरुवार को विश्वकर्मा दिवस उत्साह एवं श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षणार्थियों ने भगवान विश्वकर्मा का स्मरण कर उनके आदर्शों एवं महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों को कौशल विकास के साथ मेहनत और लगन को जीवन में अपनाकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से एलडीएम संभल ललित विजय राय, आरसेटी के निदेशक अनुपम कुमार गुप्ता, डीएसटी

(डीटीपी) मयंक वर्णाय, डीएसटी (महिला दर्जी) रूबी चौधरी, डीएसटी (सॉफ्ट टॉयज) तुलिका त्यागी, मानसी शर्मा एवं सुजीत सिंह सहित समस्त कर्मचारीगण और प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को निर्माण, शिल्प, तकनीक और कौशल का प्रतीक माना जाता है। उनके जीवन एवं कार्यों से यह संदेश मिलता है कि किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए हुनर के साथ निरंतर परिश्रम, अनुशासन और समर्पण आवश्यक है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि आरसेटी के माध्यम से प्राप्त प्रशिक्षण



को केवल रोजगार तक सीमित न रखें, बल्कि इसे स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने का प्रयास करें। अधिकारियों ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं एवं महिलाओं के लिए कौशल विकास के अवसर बेहद महत्वपूर्ण हैं। यदि प्रशिक्षणार्थी अपने हुनर को बेहतर तरीके से विकसित कर उसका सही उपयोग करें तो वे स्वयं रोजगार प्राप्त करने के साथ अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा कर सकते हैं। इसके लिए आत्मविश्वास के साथ निरंतर सीखने और मेहनत करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को

विभिन्न कौशलों के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें अपने प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाकर आर्थिक रूप से मजबूत एवं आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में मौजूद प्रशिक्षणार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अंत में उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षणार्थियों ने भगवान विश्वकर्मा के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा मेहनत एवं कौशल के बल पर आगे बढ़ने का संकल्प लिया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

यातायात नियम तोड़ने वालों पर सख्ती, 196 वाहनों पर हुई कार्रवाई



संभल(सब का सपना):— पुलिस अधीक्षक संभल के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी यातायात अजीत सिंह एवं प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह के नेतृत्व में शुक्रवार को जनपद में यातायात पुलिस ने ओवरलोडिंग और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाया। अभियान के दौरान कुल 196 वाहनों पर प्रवर्तन की कार्रवाई की गई तथा

5,31,500 रुपये का जुमाना किया गया। यातायात पुलिस ने पिकअप, ई-रिक्शा और टैपों में क्षमता से अधिक सवारी बैठाने तथा अवैध रूप से अतिरिक्त सीट और पायदान लगाने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की। अभियान में 12 वाहनों को सीज किया गया। टैपों और ई-रिक्शा में लगाए गए अतिरिक्त 18 पायदान और एकस्ट्रा सीट हटवाए गए। वाहन चालकों को भविष्य में



इस तरह के अवैध बदलाव नहीं करने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। अभियान के दौरान ओवरलोडिंग के 11 वाहनों पर प्रवर्तन की कार्रवाई की गई। क्षमता से अधिक स्कूली बच्चों को बैठाकर ले जा रही एक मारुति वैन को भी सीज किया गया। इंटरसेक्टर के माध्यम से ओवरस्पीडिंग के 91 वाहनों

पर कार्रवाई की गई। इसके अलावा दो वाहनों से मोडिफाई साइलेंसर हटवाए गए। प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह ने बताया कि जनपद संभल में सड़क दुर्घटनाओं को रोकना यातायात पुलिस का मुख्य उद्देश्य है। इसी उद्देश्य से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

मेरे सपनों का भारत विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया



चंदौसी/संभल (सब का सपना):—रोटरी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी चंदौसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा संकल्प अभियान के तहत मेरे सपनों का भारत विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सुधीर मल्होत्रा विशिष्ट अतिथि अभिनव शर्मा और प्राचार्य डॉक्टर उषेंद्र कुमार ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर उषेंद्र

कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मेरे सपनों का भारत वह है जहां गरीबी भ्रष्टाचार और बेरोजगारी जैसे अभिशापों का अंत हो और चारों तरफ खुशहाली हो। यह तभी संभव होगा जब शिक्षा का व्यापक प्रसार होगा और हर नागरिक शिक्षित बनेगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण का पहला प्रयास हम सभी को स्वयं से करना होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुधीर मल्होत्रा ने कहा कि जीवन का वास्तविक उद्देश्य संकल्प



से सिद्धि तक पहुंचना है। भारत ने पिछले कुछ दशकों में विज्ञान प्रौद्योगिकी और शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से प्रगति की है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ मस्तिष्क में ही स्वस्थ विचारों का उदय होता है जो देश को प्रगति के पथ पर आगे ले जाते हैं। भाषण प्रतियोगिता में कंप्यूटर विज्ञान और प्रबंधन विभाग के विद्यार्थी लवी सेजल राखी यश मिश्रा अभिषेक हादी आयुष राठौर अंशिका शर्मा और रिया मिश्रा ने विचार व्यक्त किए। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक विरासत

वैज्ञानिक प्रगति स्वच्छता बेरोजगारी उन्मूलन सर्वशिक्षा अभियान मानवीय मूल्य पर्यावरण संरक्षण और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को समृद्ध भारत का आधार बताया। कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन संयोजिका मंजरी गुप्ता ने किया। इस दौरान तनवीर सिंह प्रवीण कुमार प्रातिभ गुप्ता आकाश चौहान प्रियंक चौधरी शिव अरोरा राजवीर सिंह अनुज कुमार और प्रतिभा सिंह उपस्थित रहे।

जनगणना 2027 के द्वितीय चरण हेतु सम्भल में अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

बहजोई/संभल (सब का सपना):—भारत की जनगणना 2027 के द्वितीय चरण यानी जनसंख्या गणना के सुचारु संचालन को लेकर सम्भल जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस जिला प्रभारी जनगणना अनिल कुमार मौर्य ने उपस्थित अधिकारियों कर्मचारियों और तकनीकी सहायकों को द्वितीय चरण से संबंधित कार्यप्रणाली और समय सारिणी की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद अब दूसरे चरण में देश के नागरिकों की सामाजिक आर्थिक और जनसांख्यिकीय स्थिति से जुड़े



महत्वपूर्ण आंकड़ों का संकलन किया जाएगा। कार्यक्रम में जनगणना प्रक्रिया को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरा करने के लिए विस्तृत समय सारिणी साझा की गई। इसके अंतर्गत नागरिकों की सुविधा के लिए स्व-गणना का विकल्प 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक उपलब्ध

रहेगा। इसके पश्चात प्रणाली घर-घर जाकर एक दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 के मध्य डेटा संकलन का कार्य पूरा करेंगे। उत्तर प्रदेश राज्य के लिए संदर्भ तिथि 5 जनवरी 2027 की रात्रि 12 बजे निर्धारित की गई है। इसके तुरंत बाद 5 जनवरी से 9 जनवरी 2027 तक

पुनरीक्षण का अंतिम चरण आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों को अंतर-विभागीय समन्वय बेहतर करने आंकड़ों की शुद्धता बनाए रखने और निर्धारित मानकों का पालन करने के सख्त निर्देश दिए गए। यह स्पष्ट किया गया कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े सरकार की भावी जनकल्याणकारी योजनाओं के निर्माण विकास कार्यों के सटीक नियोजन और संसाधनों के न्यायसंगत वितरण का आधार बनते हैं। इस अवसर पर जनपद के समस्त जिला एवं तहसील स्तरीय अधिकारी चार्ज अधिकारी जनगणना लिपिक और तकनीकी सहायक उपस्थित रहे।

बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया की पुण्यतिथि पर सपा कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि



बहजोई/संभल (सब का सपना):—समाजवादी पार्टी के बहजोई स्थित जिला कैबे कार्यालय पर लोक अदालत के जनक और पूर्व राज्यसभा सांसद बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधर सहित अन्य पदाधिकारियों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी

शंखधर ने कहा कि 13 मार्च 1903 को लखनऊ में जन्मे बाबू शिवदयाल चौरसिया सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन दलितों पिछड़ों और गरीबों को मुक्त न्याय दिलाने में समर्पित कर दिया। उन्होंने 1929 में बैकवर्ड क्लासेज लीग और 1953 में सेंट्रल लोगल एड सोसाइटी की स्थापना की थी। 1974 में राज्यसभा सांसद रहते हुए उन्होंने संविधान में अनुच्छेद



39अ जुड़वाकर लोक अदालत की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया। कृष्ण मुरारी शंखधर ने बताया कि बाबू जी काका कालेलकर पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य रहे और साइमन कमिशन के सामने पिछड़ों के हक की आवाज उठाई। उन्होंने अपना सरकारी सांसद आवास मान्यवर कांशीराम को बामसेफ कार्यालय के लिए दे दिया था। उनका मानना था कि जब तक सामाजिक असमानता

समाप्त नहीं होगी वे चैन से नहीं बैठेंगे। उनके विचार आज भी पीडीए की लड़ाई को मजबूती देते हैं। इस दौरान शोभित कुमार काका, बलवंत सिंह, कमल शर्मा, अशोक गुप्ता, चरण सिंह प्रधान, प्रतीक नानु, तस्लीम, चेतन गुप्ता, पहलवान बनवीर सिंह यादव, तेजपाल सिंह, अशोक राणा, राजू दिवाकर और रवि शंखधर मौजूद रहे।

उत्तम आर्जव धर्म की आराधना में उमड़े श्रद्धालु, नृत्य प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दिखाया उत्साह

बहजोई/संभल(सब का सपना):—जनपद के श्री दिगम्बर जैन मंदिर बहजोई में शुक्रवार को पर्वराज दशलक्ष्ण महापर्व के तृतीय दिवस उत्तम आर्जव धर्म की श्रद्धाभाव एवं भक्तिपूर्वक आराधना की गई। प्रातःकाल श्रीजी के अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन के बाद दशलक्ष्ण महामंडल विधान विधि-विधानपूर्वक संपन्न हुआ। श्रीजी के अभिषेक एवं शांतिधारा के पुण्याजंकर राहुल जैन सर्राफ रहे। महामंडल विधान के तृतीय दिवस सौधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य राजेन्द्र जैन एवं वीना जैन को प्राप्त हुआ। विधान का आयोजन विद्वान चंद्रकुमार जैन शास्त्री मंडावरा, मध्य प्रदेश के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने उत्तम आर्जव धर्म की महत्ता बताते हुए कहा कि आर्जव का अर्थ मन, वचन और कर्म में सरलता एवं एकरूपता रखना है। कपट, छल और मायाचार का त्याग कर सरल एवं निकपट जीवन जीना ही उत्तम आर्जव धर्म



की सच्ची साधना है। उन्होंने कहा कि मन, वचन और व्यवहार में एकरूपता रखने से आत्मशुद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। सायंकाल मंदिर में सामूहिक आरती, णमोकार पाठ एवं शास्त्र प्रवचन का आयोजन हुआ। इसके बाद नृत्य प्रतियोगिता कराई गई, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम

में जैन सभा के अध्यक्ष सुनील कुमार जैन, उपाध्यक्ष संजय कुमार जैन, कोषाध्यक्ष मितेश जैन, महामंत्री संभव जैन के साथ मनोज कुमार जैन, प्रेरक जैन, विभोर जैन, चंद्रप्रकाश जैन, अतिथय जैन, शुभम जैन, अरिहंत जैन, अग्रिम जैन, अंशुल जैन आदती, राशि जैन, रजनी जैन, रंजना जैन, सरिता जैन,

आकांक्षा जैन, साक्षी जैन, पारस जैन, शैली जैन, छाया जैन, प्रियल जैन, संतोष देवी जैन, प्राची जैन, विपुल जैन, आशा जैन, तरन जैन, सजल जैन, अभिलाषा जैन, अर्चना जैन, अजय जैन एवं अजित प्रकाश जैन सहित बड़ी संख्या में जैन समाज के महिला-पुरुष श्रद्धालु मौजूद रहे।

लूट की झूठी कहानी का पुलिस ने किया खुलासा

मैडिकल स्टोर की रकम और ऑनलाइन गेमिंग के कर्ज को छिपाने के लिए रबी थी साजिश, शिकायतकर्ता ही निकला आरोपी

चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):- पुलिस ने लूट की झूठी कहानी रचने के मामले का खुलासा करते हुए शिकायतकर्ता को ही गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, युवक ने मैडिकल स्टोर से निकाली गई रकम और ऑनलाइन गेमिंग के चलते हुए कर्ज को छिपाने के लिए अपने साथ लूट की फर्जी सूचना दी थी। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 40 हजार 200 रुपये की नकदी और मोटो G84 मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक जनपद के थाना चांदपुर क्षेत्र के ग्राम मंसूरपुर निवासी सुमित कुमार ने 14 सितंबर को तहरीर देकर बताया था कि तीन अज्ञात लोगों ने उसके साथ मारपीट कर मोबाइल फोन और एक लाख चार हजार 500 रुपये लूट लिए। सूचना के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ

मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की तथा घटना के खुलासे के लिए टीम गठित की। विवेचना के दौरान पुलिस को घटना के संबंध में कुछ तथ्य संदिग्ध मिले। जांच आगे बढ़ने पर कथित लूट की घटना की सच्चाई सामने आई। पुलिस के अनुसार, पृछताछ और जांच में पता चला कि लूट की कहानी शिकायतकर्ता सुमित कुमार ने ही रची थी। पुलिस का कहना है



उठाकर रकम अपने खातों में जमा कर दी थी। पुलिस के अनुसार, रकम हड़पने की बात छिपाने के लिए सुमित ने अपने साथ लूट होने की झूठी कहानी तैयार की। घटना को वास्तविक दिखाने के लिए उसने मोबाइल फोन और कुछ नकदी लूटे जाने की बात कही। बाद में उसने मोबाइल फोन और 40 हजार 200 रुपये चकरोड विराहे पर लगी शिलापट्टिका के पीछे घास-झाड़ियों में छिपा दिए। पुलिस ने 18 सितंबर को आरोपी सुमित कुमार को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से मोबाइल फोन और नकदी बरामद कर ली। पुलिस के अनुसार, मामले में लूट से संबंधित धारा 371(2) और 305(ए) और 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

तालाब में तैरता मिला लापता बच्चे का शव

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- दो दिन से लापता 12 वर्षीय बच्चे का शव शुक्रवार को तालाब में मिलने से हड़कंप मच गया। बच्चा बुधवार को घर से बिना बताए निकला था। सूचना पर सीओ

राजेश सिंह सोलंकी और कोतवाल धर्मेन्द्र कुमार फोंस के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। ग्राम अलीपुर गंगा उर्फ सराय निवासी रफीक का 12 वर्षीय बेटा शाहनवाज बुधवार को लापता

हो गया था। परिजनों ने तलाश के बाद पुलिस को तहरीर दी, जिस पर मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू की गई थी। शुक्रवार को ग्रामोणों ने फारूक के खेत के पास स्थित तालाब में शव तैरता देखा। तालाब में सिंचाई की

फसल लगी है। पुलिस ने परिजनों से पृछताछ कर आसपास के सीसीटीवी खंगाले। कोतवाल धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि शव पोस्टमार्टम को भेजा गया है, रिपोर्ट और जांच के आधार पर कार्रवाई होगी।

ट्रेक्टर-ट्राली पलटने से चालक की मौत, एक गंभीर

गुल्ला टूटने से हुआ हादसा, गर्दन में लोहे की वस्तु फंसने से हुआ अत्यधिक रक्तस्राव

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- कांठ से लकड़ी कटान के लिए किरतपुर जा रही ट्रैक्टर-ट्राली शुक्रवार सुबह काशीपुर-हरिद्वार फोरलेन एक्सप्रेसवे पर कालाखेड़ी अंडरपास के ऊपर अचानक पलट गई। हादसे में ट्रैक्टर चालक की गर्दन में लोहे की नट-बोल्टनुमा वस्तु फंसने से उसकी गर्दन की नली कट गई और अत्यधिक रक्तस्राव के चलते उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे में एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया गया, जबकि तीसरे युवक को मामूली चोटें आईं। जानकारी के अनुसार मुरादाबाद जनपद के कांठ थाना क्षेत्र के ग्राम मिश्रीपुर निवासी पाती (40) पुत्र रामप्रसाद अपने गांव के ही सुलेन्द्र (40) पुत्र कृपाल सिंह और राहुल

(20) पुत्र पप्पू सिंह के साथ ट्रैक्टर-ट्राली से किरतपुर लकड़ी कटान के लिए जा रहे थे। शुक्रवार सुबह करीब दस बजे कालाखेड़ी अंडरपास के ऊपर एक्सप्रेसवे पर ट्रैक्टर-ट्राली का गुल्ला टूट गया। इससे ट्रैक्टर-ट्राली अचानक आगे से उठकर पलट गई। हादसे में ट्रैक्टर चला रहे पाती की गर्दन में लोहे की नट-बोल्टनुमा वस्तु फंस गई, जिससे

उसकी गर्दन की नली कट गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सुलेन्द्र भी गंभीर रूप से घायल हुआ, जबकि राहुल को मामूली चोटें आईं। हादसे की सूचना मिलते ही सीओ राजेश सिंह सोलंकी और थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। बाद में सीओ भी सीएचसी पहुंचे



बिजली तार चोर गिरोह का पदार्फाश, 700 किलो तार के साथ 3 गिरफ्तार

फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के थाना कल्याणपुर पुलिस ने विद्युत लाइनों से तार चोरी करने वाले गिरोह के तीन शारिरी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 700 किलो एल्युमीनियम तार, दो कार, तार काटने वाले कटर और खंभे पर चढ़ने वाली लोहे की चप्पल बरामद की है। घटना 13 सितंबर की है। अवर अभियंता सुंदरम सिंह यादव ने तहरीर दी थी कि ग्राम गंगौली के बाहर निमाणांधीन 11 केवी और महहहा-बिन्दकी मार्ग की 33 केवी लाइन के तार अज्ञात चोरों ने काट लिए। चोरों ने 17 पोलों की 11 केवी और 13 पोलों की 33 केवी



लाइन के तार काटे और 3 पोल क्षतिग्रस्त कर दिए। इससे 960 मीटर 33 केवी लाइन का 2800 मीटर डॉंग कंडक्टर और एक किमी 11 केवी लाइन का 3300 मीटर तार

प्रभावित हुआ। एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निदेशन में कल्याणपुर पुलिस ने कार्रवाई कर सुनीत कुमार धानुक् निवासी शुक्लागंज उन्नाव, शिवांशु गुप्ता उर्फ लकी निवासी

शुक्लागंज उन्नाव और राजेश पटेल निवासी बीघापुर उन्नाव को गिरफ्तार किया। इनके पास से 700 किलो तार के अलावा स्विच व अल्टो कार, 4 मोबाइल और 1140 रुपये बरामद हुए। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस बढ़ाई गई है। पृछताछ में पता चला कि गैंग का मास्टरमाईंड राजेश पटेल प्राइवेट विद्युत ठेकेदार है। उसे लाइनों और ग्रिड शटडाउन की जानकारी थी। वह सुनसान इलाकों की रेकी कर मजदूरों को लाइन उतारने का झांसा देकर पोल पर चढ़वाता और तार कटवाकर कबाड़ में बेच देता था।

यूपीआई लेनदेन पर कर लगाने के प्रस्ताव का व्यापारियों ने उपजिलाधिकारी को सौंपा झापन

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- व्यापारी सुरक्षा फोरम स्याना की ओर से शुक्रवार को व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं एवं विशेष रूप से यूपीआई (वटक) के माध्यम से होने वाले लेनदेन पर सरकार द्वारा कर लगाए जाने के प्रस्ताव के विरोध में वित्त मंत्री भारत सरकार के नाम एक झापन उपजिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा गया। व्यापारी सुरक्षा फोरम ने झापन के माध्यम से मांग की कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को प्रोत्साहित करने के बजाय उस पर किसी भी प्रकार का अतिरिक्त कर लगाने का प्रावधान न किया जाए। संगठन का कहना है कि आज छोटे-बड़े व्यापारी बड़ी संख्या में यूपीआई के माध्यम से भुगतान स्वीकार कर रहे हैं और यह व्यवस्था व्यापारिक लेनदेन को सरल एवं पारदर्शी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, व्यापारी सुरक्षा फोरम ने कहा कि व्यापारी देश की



अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनके हितों पर पड़ने वाले किसी भी अतिरिक्त आर्थिक भार का सीधा प्रभाव व्यापार एवं आम उपभोक्ता पर पड़ सकता है। संगठन ने सरकार से व्यापारियों के हित में इस प्रस्ताव पर पुनर्विचार करने की मांग की, इस

अवसर पर संगठन के जिला संरक्षक रतनलाल अग्रवालनगर अध्यक्ष प्रदीप रहे, व्यापारी सुरक्षा फोरम ने कहा कि व्यापारियों की एकता ही उनकी ताकत है और व्यापारी हितों से जुड़े मुद्दों को संगठन आगे भी मजबूती से उठाता रहेगा।

सिंघल नगर उपाध्यक्ष सुमीत सैनी आदि पदाधिकारी मौजूद रहे, व्यापारी सुरक्षा फोरम ने कहा कि व्यापारियों की एकता ही उनकी ताकत है और व्यापारी हितों से जुड़े मुद्दों को संगठन आगे भी मजबूती से उठाता रहेगा।

सरार्फा दुकान चोरी का खुलासा, दो महिलाएं गिरफ्तार

चोरी के आभूषण और वारदात में प्रयुक्त दो स्विच कार बरामद, पांच अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश

चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के चांदपुर थाना पुलिस ने ग्राम रसूलपुर नंगला स्थित सरार्फा की दुकान में हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपी महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किए गए आभूषण तथा वारदात में प्रयुक्त दो स्विच कार बरामद की हैं। पृछताछ के दौरान घटना में पांच अन्य लोगों के नाम भी सामने आए हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस के अनुसार, ग्राम रसूलपुर नंगला निवासी दिनेश वर्मा ने 12 सितंबर को थाने में तहरीर देकर बताया था कि उनकी ज्वेलरी की दुकान से अज्ञात चोर सोने के आभूषण चोरी कर ले गए हैं।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस को वारदात में दो महिलाओं के शामिल होने की जानकारी मिली। पुलिस ने शुक्रवार को जाहिदा उर्फ छोटी और आशिया को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से पीली धातु के तीन जोड़ी कुंडल

तथा सफेद धातु के चार जोड़ी बिछुरे बरामद किए गए। इसके अलावा चोरी की वारदात में प्रयुक्त दो स्विच कार भी पुलिस ने बरामद की हैं। पुलिस के मुताबिक, पृछताछ के दौरान दोनों महिलाओं ने बताया कि उन्होंने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर सात सितंबर को रसूलपुर



नंगला स्थित सरार्फा की दुकान में चोरी की थी। चोरी किए गए आभूषणों को सभी आरोपियों ने आपस में बांट लिया था। बरामद कुंडल और बिछुरे दोनों महिलाओं के हिस्से में आए थे। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर दर्ज मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की है। पुलिस के अनुसार, मामले में खातून, आशमीन, रुखसाना, फरीद खां और भूरिया उर्फ जाकिर के नाम भी प्रकाश में आए हैं। फरीद खां और भूरिया उर्फ जाकिर के कार चालक होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। गिरफ्तार दोनों महिलाओं के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जगन्नाथ टीला मंदिर में गूंजे राधे-राधे के जयकारे

सहस्रधारा अभिषेक, महाआरती व भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- ऐतिहासिक श्री जगन्नाथ टीला मंदिर में श्री राधा रानी के प्रव्रट उत्सव का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया। 17 और 18 सितंबर की मध्यरात्रि आयोजित उत्सव में मंदिर परिसर को आकर्षक रोशनी और सुगंधित पुष्पों से सजाया गया। शाम से ही मंदिर

परिसर में श्री राधे-राधे के जयकारे गूंजते रहे, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। उत्सव का शुभारंभ शाम 7:30 बजे भजन-कीर्तन से हुआ। स्थानीय गायकों और श्रद्धालुओं ने श्री राधा-कृष्ण के भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों पर श्रद्धालु भावविभोर होकर भक्ति नृत्य करते नजर आए। रात्रि 8:30

बजे वैदिक मंत्रोच्चार के बीच युगल सरकार का सहस्रधारा अभिषेक कराया गया। धार्मिक अनुष्ठान के दौरान श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। इसके बाद रात्रि 9:30 बजे महाआरती हुई। आरती के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में

श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर समिति की ओर से श्रद्धालुओं से राधा नाम के संकीर्तन में शामिल होने का आह्वान किया गया। आयोजन को सफल बनाने में मंदिर समिति के पदाधिकारियों, स्थानीय सेवादाारों और श्रद्धालुओं का विशेष योगदान रहा।

थाना स्योहारा में गणेश विसर्जन को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- स्थानीय थाना परिसर में गणेश विसर्जन पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए एक शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कस्बे के अनेक गणमान्य नागरिक और प्रबुद्ध वर्ग के लोग शामिल हुए। बैठक के दौरान थाना अध्यक्ष संजय कुमार तोमर ने उपस्थित लोगों से आगामी 25 तारीख को निकलने वाले गणेश विसर्जन जुलूस को पूरी शांति, आपसी प्रेम और भाईचारे के साथ निकालने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था और शांति बनाए

रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। बैठक में उपस्थित लोगों ने जुलूस के दौरान आने वाली संभावित समस्याओं को लेकर अपने-अपने विचार और सुझाव साझा किए। सभी ने एक स्वर में विसर्जन यात्रा को पूरी

तरह शांतिपूर्वक संपन्न कराने का आश्वासन दिया। इस मौके पर मुकेश रस्तोगी ने जुलूस में गुलाल आदि की व्यवस्था को ना जोड़ने की अपील की। बैठक में बड़ी संख्या में नगर के संप्रदांत लोग मौजूद रहे। मीटिंग में



उपस्थित मुख्य अतिथि एसडीएम धामपुर नितिन कुमार उपस्थित रहे। डॉ. मनोज वर्मा, पूर्व चेयरमैन अख्तर जलील, शहर इमाम काफिल अंसारी, मौलाना अरशद, हकी जामिन नेता, डॉ. विनीत देवरा डॉक्टर कलड़ा, मनोज भटनागर, मुकेश रस्तोगी, डॉक्टर यागदत गौड़, रशांक बिश्नोई अमित शर्मा, फैसल हिलाल, नींदू जोशी बसपा नगर अध्यक्ष इस्तकार रस्तोगी अम्मेन इंजीनियर मास्टर खुशींद पिंटू प्रजापति राजपाल प्रजापति श्वेत रस्तोगी पीयूष रस्तोगी, शान मोहम्मद, नफीस अंसारी, पीयूष रस्तोगी, नरेश कुमार, मास्टर विजयपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

मोती खरीदने पहुंचे युवकों ने सरार्फा व्यापारी को झांसे में लेकर उड़ाई सोने की चेन-अंगूठी

मोतियों को सोने से टच कराने के बहाने दिया वारदात को अंजाम, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- सुहरी मौजुद के सामने सरायमीर में शुक्रवार दोपहर सरार्फा दुकान पर मोती खरीदने आए दो बाइक सवार युवक व्यापारी को झांसे में लेकर सोने की चेन और अंगूठी

लेकर फरार हो गए। सूचना पर सीओ राजेश सिंह सोलंकी और कोतवाल धर्मेन्द्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मनोज कुमार की सरार्फा की दुकान है। दोपहर दो युवक मोती खरीदने पहुंचे और बोले

कि मोतियों को सोने से टच कराने पर अभीष्ट सिद्धि मिलती है। झांसे में आकर मनोज चैन और अंगूठी से मोती टच कराने लगे। आरोप है कि युवकों ने आंखों की ओर कुछ फेंका और चैन-अंगूठी

लेकर बिश्नोई सराय की ओर भाग गए। कोतवाल ने बताया कि तहरीर मिल गई है, मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पुलिस मुठभेड़ में वांछित अभियुक्त पैर में गोली लगने से घायल, तमंचा-कारतूस व बाइक बरामद

असमोली/संभल (सब का सपना):- थाना पुलिस ने गुरुवार को मड़न चौकी क्षेत्र में चेकिंग के दौरान हुई पुलिस मुठभेड़ में एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, मालपुर मिलक के पास चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने संधिध बाइक सवारों को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान अभियुक्तों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और भागने का प्रयास किया। पुलिस के मुताबिक, आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई के दौरान एक अभियुक्त के पैर में गोली लग गई। घायल अभियुक्त की पहचान तनवीर उर्फ सन्नी उर्फ शैम्पू पुत्र अब्दुल रहमान के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए जिला अस्पताल संभल भेज दिया। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस 315 बोर तथा बिना नंबर की हीरो स्पेंडर मोटरसाइकिल बरामद की



है। पुलिस के अनुसार, तनवीर उर्फ सन्नी उर्फ शैम्पू थाना असमोली में पंजीकृत एक मुकदमे में वांछित था। मुठभेड़ के दौरान अभियुक्त का एक अन्य साथी मौके से फरार होने में सफल रहा। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों द्वारा

लगातार कॉम्बिंग और चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस मुठभेड़ की सूचना मिलने पर क्षेत्राधिकारी असमोली सहित आसपास के थानों का पुलिस बल भी मौके पर पहुंच गया और घटनास्थल का जायजा लिया।

गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ बरामदगी एवं गिरफ्तारी के आधार पर थाना असमोली में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार क्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था सामान्य बनी हुई है।

गजरौला में युवक को गोली मारने की झूठी FIR दर्ज करने के मामले में पीड़ित बेटों की मां ने एसपी को सौंपा प्रार्थना पत्र

मामले की निष्पक्ष जांच करने की लगाई गुहार,कहा कस्टा इंचार्ज ने मेरे बेटों को झूठे केस में फंसाया

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नगर कोतवाली में एक महिला ने कस्टा इंचार्ज पर आरोप लगाते हुए कहा है कि उसके द्वारा उसके दो बेटों को युवक को गोली मारने के झूठे केस में फंसाया गया है जो की बिल्कुल निराधार और गलत है। पीड़ित महिला का कहना है कि घटना के समय उसके दोनों बेटे बाहर थे और किसी कंपनी में काम पर मौजूद थे। इस संबंध में पीड़ित महिला ने अमरोहा एसपी कार्यालय पहुंचकर इस संबंध में प्रार्थना पत्र देकर पुलिस

अधीक्षक लखन सिंह यादव से मामले में निष्पक्ष रूप से जांच करने की गुहार लगाई है और कहा है कि यदि इस मामले में मेरे बेटे दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें सजा दी जाए अन्यथा की स्थिति में दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। बता दें कि पीड़ित महिला जैतून पत्नी युनुस द्वारा एसपी को सौंप गए प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि यह पूरा मामला 14 सितंबर 2026 की शाम का है जहां नगर कोतवाली के मोहल्ला जलाल नगर निवासी वाजिद पुत्र शमशाद के पैर में गोली लग गई थी इस संबंध



में थाना गजरौला में एक एफआईआर दर्ज की गई थी जिसकी अपराध संख्या 549/26 धारा 109 (1) बीएनएस थाना गजरौला में प्राथीनी

के दो बेटों आसिफ और आशु पुत्र युनुस का नाम झूठे दंग से शामिल कर दिया गया है और उन्हें इस घटना का आरोपी बनाया गया है। जबकि

घटना के समय और पिछले काफी समय से प्राथीनी के दोनों बेटे आसिफ और आशु अमृतसर पंजाब में "राज फैब्रिकेटर्स एण्ड इरेक्टर्स" नामक कंपनी में काम कर रहे हैं। घटना वाले दिन भी दोनों भाई पंजाब में ही मौजूद थे और वहां पर अपनी ड्यूटी कर रहे थे जिसके सबूत एवं साक्ष्य दोनों पीड़ित महिला जैतून के पास मौजूद हैं। जो यह साबित करते हैं कि वे दोनों घटना के समय अमरोहा में नहीं बल्कि पंजाब में मौजूद थे। प्रार्थना पत्र के माध्यम से पीड़ित महिला जैतून ने यह भी कहा

कि वह एक बेहद गरीब और बूढ़ी औरत है उसके बच्चों को किसी पुरानी दुश्मनी या साजिश के तहत इस मामले में झूठा फंसाया गया है अगर उनके खिलाफ कार्यवाही होती है तो एक गरीब परिवार पूरी तरह से बर्बाद हो जाएगा।

पीड़ित महिला जैतून ने एसपी से इस मामले में कंपनी दस्तावेजों के आधार पर निष्पक्ष जांच करने की गुहार लगाई है। और कहा है कि उसके दोनों निर्दोष बेटों को इस झूठी फिर से बाहर निकल जाए।

पंजाब में ओपीएस पर सियासत, प्रताप बाजवा ने उठाए सवाल, कहा- वादे से पीछे हट रही सरकार



चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने मौजूदा सरकार पर सरकारी कर्मचारियों से पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल करने के चुनावी वादे से पीछे हटने का आरोप लगाया है। बाजवा ने कहा कि सरकार पुरानी पेंशन योजना लागू करने के बजाय अब अंशदायी पेंशन व्यवस्था लाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने इसे कर्मचारियों के साथ एक और विश्वासघात करार दिया। बाजवा ने कहा कि पेंशन व्यवस्था की समीक्षा के लिए गठित समिति का कार्यकाल चार महीने बढ़ाया जाना सरकार की गंभीरता पर सवाल खड़ा करता है। उनके अनुसार, सरकार अब गारंटीकृत पेंशन व्यवस्था पर विचार कर रही है, जिसमें कर्मचारियों का अंशदान जारी रहेगा। बाजवा ने कहा कि ऐसी व्यवस्था को पुरानी पेंशन योजना के बराबर नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी ने गैर-अंशदायी पुरानी पेंशन योजना बहाल करने का स्पष्ट वादा किया था। अगस्त 2021 में तत्कालीन विपक्ष के नेता और मौजूदा वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने भी सार्वजनिक रूप से पुरानी पेंशन योजना को पार्टी के चुनावी वादे में शामिल करने और सत्ता में आने पर इसे लागू करने की बात कही थी। बाजवा ने कहा कि सत्ता में आने के बाद सरकार ने पुरानी पेंशन बहाली का सैद्धांतिक निर्णय लिया और अधिसूचना भी जारी की, लेकिन करीब चार साल बाद भी कर्मचारी अंतिम व्यवस्था का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार को इस मामले में कितनी समितियों और कितने विस्तार की जरूरत है। 110 प्रतिशत अंशदान तो फिर पुरानी पेंशन से अंतर क्या बाजवा ने कहा कि यदि प्रस्तावित व्यवस्था में कर्मचारियों को वेतन का 10 प्रतिशत अंशदान देना होगा तो सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि यह पुरानी पेंशन योजना से कैसे अलग है। उन्होंने आरोप लगाया कि 2027 के विधानसभा चुनाव नजदीक आने के बीच सरकार इस मुद्दे को लगातार टाल रही है। बाजवा ने मुख्यमंत्री भगवंत मान और वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा से सीधा जवाब मांगा कि सरकार पुरानी पेंशन योजना लागू करेगी या अंशदायी पेंशन व्यवस्था। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को नए नाम और नई समितियों के बजाय स्पष्ट निर्णय और जवाबदेही चाहिए।

लुधियाना की सड़कों पर 'टार्जन' बनी कार, खुद स्टार्ट होकर दौड़ने लगी MG Windsor EV

लुधियाना। लोधी क्लब रोड पर शुक्रवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सड़क किनारे खड़ी एक इलेक्ट्रिक कार 'टार्जन फिल्म की कार की तरह' अचानक चल पड़ी। बौर ड्राइवर आगे बढ़ी कार ने सड़क किनारे लगी करीब पांच रेहड़ियों को टक्कर मार दी और अंत में बिजली के खंभे से जा भिड़ी। राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार का चालक वाहन को सड़क किनारे पार्क कर कुछ दूरी पर सामान लेने गया था। इसी दौरान कार अचानक स्टार्ट होकर तेज रफ्तार से आगे बढ़ गई। सबसे पहले उसने फल विक्रेता की रेहड़ी को टक्कर मारी, फिर लगातार अन्य रेहड़ियों को घसीटते हुए आगे निकल गई। टक्कर से कई रेहड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं और सामान सड़क पर बिखर गया। कार बिजली के खंभे से टकराकर रुक गई, लेकिन इसके बावजूद कार मोटर सिस्टम बंद नहीं हुआ। काफी मशक्कत के बाद पापा कावू लोगों ने देखा कि आगे के पहिए लगातार तेज गति से घूम रहे थे, जिससे आसपास मौजूद लोग वाहन के नजदीक जाने से भी घबराते रहे। कुछ ही देर में चालक मौके पर पहुंचा। विज्ञान हटापुसिफ खबर पढ़ेजानकारी के अनुसार ड्राइवर ने आसपास मौजूद लोगों से हथौड़ी ली और ड्राइवर साइड का अमला शोशा तोड़कर किसी तरह कार का सिस्टम बंद किया। इसके बाद ही स्थिति सामान्य हो सकी। हादसे के कारण लोधी क्लब रोड पर कुछ समय तक यातायात भी प्रभावित रहा। घटना स्थल पर जमा हुई भीड़ बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए और खंगरे चालक कार के चलने की घटना को लेबर हैरानी जताते रहे। उधर, थाना सराभा नगर पुलिस का कहना है कि इस संबंध में उनके पास कोई शिकायत या सूचना नहीं पहुंची है। पुलिस का कहना है कि शिकायत मिलने पर मामले की जांच की जाएगी।

लुधियाना में ससुराल के तानों से परेशान महिला ने की आत्महत्या, मौत से पहले मां को भेजा 1:20 मिनट का विडियो

लुधियाना। लुधियाना में पति की कथित मारपीट और ससुराल पक्ष के लोगों के तानों से परेशान 30 वर्षीय महिला ने आत्महत्या कर ली। महिला ने मौत से पहले करीब एक मिनट 20 सेकंड का वीडियो बनाकर अपनी मां को वाट्सएप पर भेजा था। वीडियो में वह रोते हुए अपनी परेशानी बता रही है और पति, ताई सास तथा उसकी बहू को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहरा रही है। महिला की मां ने वीडियो देखने के बाद बेटी से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मुतका की पहचान शमीना उर्फ शमा के रूप में हुई है। बताया गया है कि उसकी शादी करीब 11 वर्ष पहले लुधियाना के ऋषि नगर निवासी अजय मेहरा उर्फ अज्जू के साथ हुई थी। परिवार की ओर से आरोप लगाया गया है कि शादी के बाद महिला को पति की मारपीट और ससुराल पक्ष के लोगों के कथित तानों का सामना करना पड़ रहा था। वीडियो में पति और दो महिलाओं पर आरोप पुलिस के अनुसार, महिला ने आत्महत्या से पहले बनाए गए वीडियो में अपनी मां से अपनी परेशानी साझा की। वह वीडियो में रोती हुई नजर आ रही है। उसने अपने पति अजय मेहरा, ताई सास सखी और उसकी बहू रंजि की अपनी मौत के लिए जिम्मेदार बताया है। परिजनों के मुताबिक, महिला ने वीडियो अपनी मां को वाट्सएप के माध्यम से भेजा था। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस मामले में इसे महत्वपूर्ण साक्ष्य के तौर पर देख रही है। पुलिस वीडियो की सामग्री और अन्य परिस्थितियों की जांच कर रही है। पति की सूचना के बाद पुलिस ने शुरू की जांच बताया जा रहा है कि महिला की मौत की सूचना उसके पति ने ही फोन कर ताई सास को दी थी। इसके बाद उसके मौके से फरार होने की बात सामने आई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। मुतका की मां की शिकायत के आधार पर थाना डिब्बा पुलिस ने अजय मेहरा, सखी और रंजि के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस अब महिला द्वारा बनाए गए वीडियो, परिजनों के बयानों और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों के आधार पर जांच कर रही है। शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस की कार्रवाई के आधार पर मामले में आगे की स्थिति स्पष्ट होगी। फिहालोल, पुलिस ने नामजद आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और महिला की मौत से जुड़े घटनाक्रम की जांच जारी है।

15 की उम्र में पिता के कारोबार से जुड़े, आज देशभर में पहचान बना रहे जालंधर के दो भाई



जालंधर। मॉजल दूर हो तो कदम रोकने के बजाय मेहनत और बढ़ा देनी चाहिए। कुछ ऐसा ही कर दिखाया है केके नेट्स कंपनी के एमडी अभिषेक गुप्ता और सलिल गुप्ता ने। पिता से कारोबार की बारीकियां सीखीं, चुनौतियों के बीच हौसला बनाए रखा और आज दोनों भाई अपने पिता की कारोबारी विरासत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहे हैं। केके नेट्स कंपनी क्रिकेट नेट्स, स्पोर्ट्स वीयर, बल्ले और अन्य खेल उत्पाद तैयार करती है। कंपनी के उत्पादों की देशभर में पहचान बन चुकी है और कारोबार विभिन्न राज्यों तक फैला हुआ है। अभिषेक गुप्ता के लिए कारोबार की शुरुआत किसी किताब या मैनेजमेंट क्लास से नहीं, बल्कि पिता अमृप गुप्ता के साथ काम करते हुए हुई। महज 15 वर्ष की उम्र में वह पिता के कारोबार से जुड़ गए थे। खरीददारों से मिलना, उनकी जरूरत समझना और ऑर्डर लेना इन सबकी बारीकियां उन्होंने पिता से ही सीखीं। पिता के निधन के बाद पिता की विरासत को संभाला वर्ष 2012 में पिता अमृप गुप्ता का निधन हो गया। इसके बाद दोनों भाइयों ने उनकी सीख और कारोबार की विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी संभाली। अभिषेक ने दयानंद माडल स्कूल से पढ़ाई की और डीएवी कॉलेज से बीकाम किया। कारोबार को विस्तार देने के लिए उन्होंने विभिन्न राज्यों का रुख किया और खरीददारों से सीधे संपर्क बढ़ाया। सिर्फ उत्पाद नहीं, भरोसा बेचते हैं अभिषेक गुप्ता बताते हैं कि उत्पादों को अलग-अलग राज्यों तक पहुंचाने के लिए मार्केटिंग के साथ-साथ बिजली पर भी जोर दिया गया। खेल बाजार में अपनी पहचान बनाए रखने के लिए गुणवत्ता को प्राथमिकता दी और समय के साथ उत्पादों में नए प्रयोग यानी इनोवेशन किए। दोनों भाई खेल प्रदर्शियों में भी नियमित रूप से हिस्सा लेते हैं।

जिले की तहसीलों में भूकम्प व अग्नि सुरक्षा मॉक एक्सरसाइज का किया गया सफल आयोजन



अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में राज्य स्तरीय भूकम्प एवं अग्नि सुरक्षा मॉक एक्सरसाइज के तहत जनपद अमरोहा की सभी तहसीलों में विभिन्न आपदा परिदृश्यों पर मॉकड्रिल सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इसका उद्देश्य आपदा की स्थिति में विभागों के बीच समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया तथा बचाव-राहत कार्यों की तैयारियों का परीक्षण करना था। प्रातः 10 बजे जिला आपदा कंट्रोल रूम से भूकम्प की सूचना मिलते ही आईआरएस सिस्टम सक्रिय किया गया। तहसील अमरोहा में मिड टाउन होम के पास उच्च भवन में भूकम्प व आग का अभ्यास, धनौरा में भागीरथी देवी पीजी कॉलेज में आग, हसनपुर में द किसान सहकारी चीनी मिल में औद्योगिक आपदा, कालाखेड़ा में औद्योगिक इकाई में आग तथा नौगावां सादात तहसील परिसर में भूकम्प से भवन क्षति का अभ्यास किया गया। उप जिलाधिकारी अमरोहा शशि भूषण पाठक ने इंसिडेंट कमांडर की भूमिका निभाई। जिला प्रशासन, पुलिस, अग्निशमन, चिकित्सा, एनसीसी, होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा व आपदा मित्र संस्थित सभी विभागों ने सक्रिय भागीदारी की। जिला कंट्रोल रूम से सूचनाओं का आदान-प्रदान भी अभ्यास में शामिल रहा। प्रभारी अधिकारी आपदा कारमेन्द्र सिंह, तहसीलदार परमानन्द श्रीवास्तव, अग्निशमन अधिकारी अनुराग तोमर व जिला आपदा विशेषज्ञ पवन कुमार शुक्ला के सहयोग से यह मॉकड्रिल सफल रही। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि इससे आपदा के समय त्वरित व समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने की तैयारियों का परीक्षण हुआ।

कांग्रेस ने यूपीआई पर 0.4% एमडीआर शुल्क का किया विरोध, राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अमरोहा (सब का सपना):- जिला कांग्रेस कमेटी अमरोहा के पदाधिकारियों ने केंद्र सरकार द्वारा यूपीआई भुगतान पर नए शुल्क ढांचे का विरोध करते हुए राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में कहा गया है कि 15 अक्टूबर 2026 से दो हजार रुपये से अधिक के व्यक्ति-से-व्यापारी (पी2एस) यूपीआई लेन-देन पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू किया जा रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आरोप है कि इस व्यवस्था से छोटे और मध्यम व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। उन्होंने इसे आम जनता और व्यापारियों के हितों के खिलाफ



बताया। ज्ञापन में स्पष्ट रूप से मांग की गई है कि एमडीआर शुल्क को तत्काल निरस्त किया जाए, ताकि डिजिटल भुगतान व्यवस्था सरल, सुलभ और सभी के हित में बनी रहे। जिला कांग्रेस कमेटी ने कहा कि यह

शुल्क व्यापारियों की लागत बढ़ाएगा और अंततः आम उपभोक्ताओं पर अप्रत्यक्ष प्रभाव डाल सकता है। ज्ञापन में राष्ट्रपति से अपील की गई है कि वे व्यापारियों और जनमानस के हित में हस्तक्षेप करें। वह ज्ञापन

अमरोहा के हाशमी नगर स्थित कार्यालय से जारी किया गया है। कांग्रेस नेताओं ने जोर दिया कि यूपीआई जैसी लोकप्रिय व्यवस्था को शुल्क मुक्त रखकर ही डिजिटल इंडिया का लक्ष्य पूरा हो सकता है। इस अवसर पर हाजी खुरशीद अनवर, राजकुमार अरुण कश्यप नेता अली हसन अली इमाम रिजवी एड-1, मौ॰ यासिर अन्सारी एड., इकराम हुसैन जैदी नईम अहमद इकबाल अन्सारी जमविन्द्या, इशरत अल्वी शाहिद सैफी फजलुर्रहमान ओमकार सिंह कटारिया जिलाध्यक्ष, नमक गुजर, यशपाला आदि मौजूद रहे।

62 की उम्र में 14,500 फीट चढ़ाई...सेवानिवृत्ति जीवन की दूसरी पारी की शुरुआत को चंडीगढ़ के संधू ने किया साबित

चंडीगढ़। सेवानिवृत्ति जीवन का अंत नहीं, बल्कि दूसरी पारी की शुरुआत है। इसे साबित किया है चंडीगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग के सेक्टर-16 स्थित सरकारी स्कूल से करीब तीन दशक की सेवा के बाद लेकर पद से सेवानिवृत्त शमशेर संधू ने। 62 वर्ष की उम्र में उन्होंने छह सदस्यीय टीम के साथ हिमाचल प्रदेश के जाबरी से चतु तक का चुनौतीपूर्ण हमटा पास ट्रेक पूरा किया। टीम के अन्य सदस्य 20 से 30 वर्ष की उम्र के थे। संधू ने 13 सितंबर को जाबरी से ट्रेक शुरू किया। तेज बारिश के बीच चार किलोमीटर का सफर तय कर शाम करीब 7:30 बजे चिका पहुंचे। करीब 11 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित चिका में टेंट में रात बिताई। ठंड के बीच अपने बर्तन भी स्वयं साफ किए। इस दौरान एक



साथी ने ट्रेक छोड़ दिया। 14 सितंबर को चिका से सात किलोमीटर दूर बाली का घेरा पहुंचे। अगले दिन सुबह छह बजे करीब आठ किलो वजन पीठ पर लेकर कठिन चढ़ाई शुरू की। दोपहर तीन बजे 14,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित

हमटा पास पहुंचे। कम ऑक्सीजन और कठिन चढ़ाई के बाद करीब 70 डिग्री की खड़ी ढलान पार कर 13,500 फीट ऊंचे शिवा गुरु पहुंचे। सितारों भरी रात ने किया रोमांचित शिवा गुरु में साफ आसमान के नीचे आकाशगंगा और

असंख्य सितारों को देखकर संधू भावुक हो गए। उन्हें चंडीगढ़ में बचपन के दिनों का साफ आसमान याद आया। अगले दिन शिवा गुरु से करीब सात घंटे में चतु पहुंचे। इसके बाद वाहन से चंद्रताल झील का भ्रमण किया। पत्नी ने किया प्रेरित संधू बताते हैं कि इस ट्रेक के लिए पत्नी ने उन्हें काफी प्रेरित किया। सेवानिवृत्ति के बाद लोगों ने गणित की अकादमी शुरू करने की सलाह दी, लेकिन उन्होंने रोमांचक जीवन को चुना। उनका कहना है कि स्वास्थ्य ने साथ दिया तो अगला ट्रेक बफोले पहाड़ों में होगा। उन्होंने कहा कि रिटायरमेंट जीवन का अंत नहीं, भागवान की दी हुई दूसरी पारी है। अच्छे स्वास्थ्य और संतोष के साथ इसे जीना चाहिए।

राज्यमंत्री कृष्णा पासवान ने बाढ़ पीड़ितों को बांटी सहायता राशि और राहत किट

खागा/फतेहपुर (सब का सपना):-

शुक्रवार को तहसील परिसर के सभागार कक्ष में उत्तर प्रदेश सरकार की राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा पासवान ने बाढ़ और अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों को सहायता राशि एवं राहत किट का वितरण किया। कार्यक्रम में राज्यमंत्री ने कहा कि योगी सरकार आपदा की इस घड़ी में हर पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों के घर बरसात के कारण गिर गए हैं या बाढ़ से फसल और घर को नुकसान पहुंचा



है, उनका सर्वे कराकर नियमानुसार हर संभव मदद दी जा रही है। किसी

भी पात्र व्यक्ति को योजना से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। इस दौरान

तहसील प्रशासन द्वारा चिन्हित बाढ़ प्रभावित और आवास क्षतिग्रस्त परिवारों को आपदा राहत चेक, राशन किट, तिरपाल और दैनिक उपयोग की सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी खागा, तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी सहित भाजपा के स्थानीय पदाधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। पीड़ित परिवारों ने सहायता मिलने पर प्रदेश सरकार और राज्यमंत्री का आभार जताया।

पूर्व मंत्री की तेरहवीं में 55 मिनट रुके पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद



फतेहपुर (सब का सपना):- कल्याणपुर थाना क्षेत्र के आदमपुर कोरसम स्थित संदीपनी पब्लिक स्कूल में शुक्रवार शाम पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद पत्नी सविता और पुत्री स्वाति के साथ पहुंचे। वह शाम 4.45 बजे कानपुर से कार काफिले के साथ कार्यक्रम स्थल पहुंचे और

55 मिनट तक रुके। पूर्व राष्ट्रपति ने पूर्व शिक्षा मंत्री स्व. अमरजीत सिंह जनसेवक और उनकी दिवंगत पत्नी प्रमिला सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप जलाकर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद परिवार के साथ वीवीआईपी पंडाल में हालचाल जाना। बताया गया कि पूर्व शिक्षा मंत्री



अमरजीत सिंह जनसेवक की पत्नी प्रमिला सिंह का 6 सितंबर को निधन हो गया था, जिनकी तेरहवीं 18 सितंबर को आयोजित की गई। स्व. अमरजीत सिंह 2002 में भाजपा से विधायक बने और 2007 तक शिक्षा मंत्री रहे। क्षेत्र में उन्हें जनसेवक के नाम से

जाना जाता था, उनकी गाड़ी पर बजने वाला आल्हा उनकी पहचान थी। इस दौरान आशीष सिंह, अमित प्रताप सिंह, ऋषभ विवेक सिंह, प्रभात सिंह, कृष्णा सिंह, अभिषेक सिंह, रमेश सिंह परिहार, अभिजीत सिंह, सूरज सिंह, कैलाश सिंह, कुबेर सिंह मौजूद रहे।

कश्यप-निषाद समाज इस बार पीडीए के साथ - राजपाल कश्यप

फतेहपुर (सब का सपना):-

शुक्रवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय में पूर्व एमएलसी राजपाल कश्यप ने प्रेस वार्ता कर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। इस दौरान सांसद नरेश उत्तम पटेल, जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह यादव, महामंत्री मंजरया, वरिष्ठ नेता डॉ. रामनरेश पटेल समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। राजपाल कश्यप ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने लोकसभा चुनाव में भाजपा के विजय रथ को रोका है। दावा किया कि इस बार कश्यप, निषाद और बिंद समाज



का रुख बदल चुका है और बड़ी संख्या में लोग सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ हैं। उन्होंने

आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में पिछड़े-अति पिछड़े समाज के मात्रियों की नहीं सुनी जा रही है। शाहजहांपुर

के विनोद साहनी हत्याकांड का जिक्र कर कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए। कहा कि ओमप्रकाश राजभर और डॉ. संजय निषाद आरक्षण के मुद्दे पर समाज को परिणाम नहीं दिला सके। निषादराज जयंती की छुट्टी, बालू खनन पट्टे और फूलन देवी जयंती के फैसलों का जिक्र कर उन्होंने मछुआ समाज की उपेक्षा का आरोप लगाया। प्रेस वार्ता में सपा नेताओं ने आगामी विधानसभा चुनाव में पीडीए समीकरण को मजबूत करने की बात कही।

फैशनबल हेरम पैंट्स

4. मन को हटाने वाला-4
7. काल, समय, पीरियड-2
8. खोदना-3
9. मोटा आटा-2
10. पशु, मवेशी-4
11. जलापूर्ति का साधन-1
13. पुत्र, बेटा-3
14. क्षार, खारा-2
15. दर, मूल्य-3
17. नौका-2
19. नारायण-नारायण
रटनेवाले देवर्षि-5
22. लालन-पालन-5
25. अच्छा, भला-2
26. पूर्ण करना-3
28. गोष्ठी, सम्मेलन-2
29. हुनरमंद-3
30. पिता का भाई -2
32. कुरुपता-4
34. इसाई साध्वी -2

36. ऐसन, पेरेशानी - 3
 37. खुशली - 2
 38. अराक, निबल - 4
 39. नगर में रहनेवाला - 5
ऊपर से नीचे
 1. झगडा, बैर, द्वेष - 2
 2. सदुपुत्र, अच्छे कुल का - 3
 3. सार-संपाल - 2, 3
 4. विचार करना - 3
 5. प्रत्येक - 2
 6. परंपरा, रूमविधी - 4
 7. आवास, गरीबखाना - 5
 8. संपत्ति - 4
 12. भाषायाली (अंग्रेजी) - 2
 16. भालू-बंदर नचाने वाला - 3
 17. मां की चौफ - 2
 18. भय, खोफ - 2
 20. गेय, गति - 3
 21. मुंह, चेहरा - 2
 22. पैर, ओढ़ा - 2
 23. वर्धनशील, बढ़नेवाला - 4
 24. शकरीज, कंद - 5
 25. सभागा, सभाकक्ष - 5
 26. भयंकर, खतरनाक - 4
 27. मोड़ - 2
 31. कायर, डरपोक - 3
 33. तीन घंटे का समय, ग्रह - 3
 35. भीगा हुआ - 2
 37. नौकरानी - 2

शब्द पहली - 4012 का हल

ज	रा	ज	क	पू	र	अ	ब	र	ज
ज	य	ग	क	ग	कि	ज	त	ल	क
अ	अ	मा	न	त	र	वा	क	न	
न	सी	ह	म	क	व	ह	म	क	न
ख	म	र	न	र	न	र	ल	क	
अ	म	क	र	ण	स	ला	ह	क	र
न	ह	क	र	खी	ग	ना	र	क	र
क	न	न	र	र	ज	अ	जा	प्र	त
क	न	र	ज	ख	ग	र	ना	प	त
क	र	ग	म	ग	ज	ज	प	प	त
न	ग	य	त	ना	ट	क	र	क	र



प्रियदर्शन की फिल्म में वन्य संरक्षक जिम से प्रेरित किरदार करेंगे अक्षय

अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन एक बार फिर साथ आ रहे हैं। दोनों की साथ में यह 9वीं फिल्म 1960 के दशक के भारत की पृष्ठभूमि पर बनी लाइट-हार्टेड कॉमिक थ्रिलर होगी। फिल्म में अक्षय का किरदार प्रसिद्ध शिकारी और वन्यजीव संरक्षक जिम कॉर्बेट से प्रेरित होगा। वह एक ट्रैकर और शिकारी की भूमिका में दिखेंगे, जो गांव को आदमखोर बाघों और तेंदुओं से बचाने के लिए हथियार उठाता है। बाद में जंगलों की कटाई और शिकारियों की क्रूरता देखकर उसका नजरिया बदलता है और वह जानवरों व प्रकृति का संरक्षक बन जाता है।

रियल लोकेशन पर होगी शूटिंग
अक्षय स्टारर इस फिल्म की सबसे खास बात इसकी शूटिंग का तरीका होगा। प्रियदर्शन ने इस प्रोजेक्ट में भारी एआई या आर्टिफिशियल ग्रीन स्क्रीन का इस्तेमाल नहीं करने का फैसला किया है। राजस्थान और गुजरात के घने जंगलों में स्टार्ट-टू-फिनिश शूटिंग में इसकी शूटिंग की जाएगी। दर्शकों को स्क्रीन पर असली लोकेशन और जंगल का अनुभव मिलेगा। बता दें कि हालिया डाक थ्रिलर 'हेवान' के बाद यह जोड़ी एक बार फिर रोमांच और कॉमेडी का नया कॉम्बिनेशन लाएगी।

अगले साल से शुरू होगी शूटिंग, कास्टिंग जारी है

अक्षय की इस फिल्म का प्री-प्रोडक्शन

अक्टूबर में लोकेशन तलाशने के काम के साथ शुरू होगा, जबकि शूटिंग अगले साल जनवरी से शुरू की जाएगी। फिलहाल हीरोइन के लिए कास्टिंग की प्रोसेस जारी है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की कहानी सिर्फ आदमखोर जानवरों के शिकार और एक्शन तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि जंगल, वन्यजीव और इंसान के बीच बदलते रिश्ते को भी कहानी का अहम हिस्सा बनाया गया है।

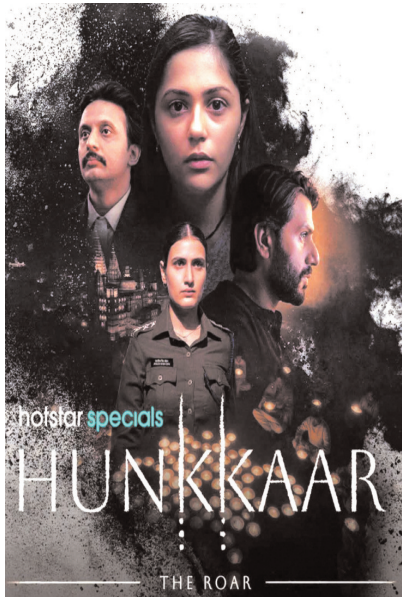
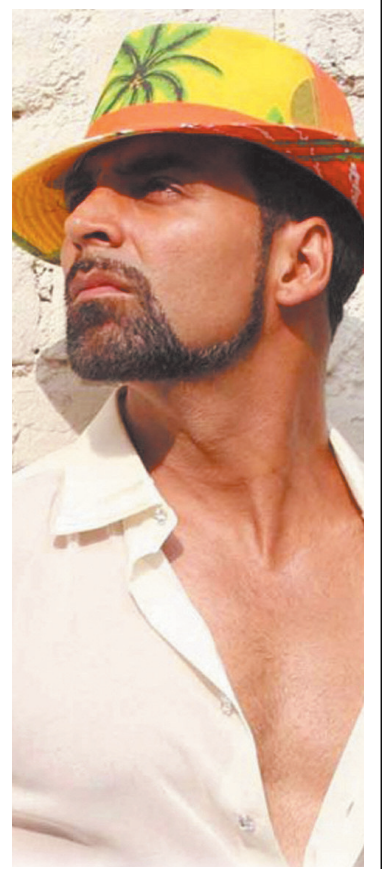
'हेवान' के लिए भी अक्षय ही आगे आए थे...

वहीं अक्षय-प्रियदर्शन की 'हेवान' भी जल्द ही रिलीज होने वाली है। प्रियदर्शन ने कहते हैं... 'इस फिल्म की स्क्रिप्ट कई एक्टर्स के पास से गुजरी, सभी ने इंकार कर दिया था, मगर अक्षय ने इस रोल के

लिए खुद इसमें रुचि दिखाई। जबकि मैंने कभी अक्षय को लेने के बारे में नहीं सोचा था। वह खुद आगे आए और इसका हिस्सा बन गए।'

'समुक' में रुक्मिणी मैत्र की हुई एंट्री

अक्षय के खाते में एक और फिल्म 'समुक' है, जिसकी शूटिंग हाल ही में शुरू हुई है। अब रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में उनके अपोजिट बंगाली एक्ट्रेस रुक्मिणी मैत्र को फीमेल लीड के तौर पर कास्ट किया गया है। इस फिल्म का निर्देशन कनिष्क वर्मा कर रहे हैं, जिन्होंने इससे पहले 'सनक' और 'इनसाइड एज' का निर्देशन किया है। 'समुक' एक सर्वोच्च-एलियन थ्रिलर है। इस फिल्म को इंटरनेशनल स्केल पर तैयार किया जा रहा है।



हुंकार : शोषण के खिलाफ अनीत पड़ा ने उठाई आवाज



फिल्म 'सेयारा' से दर्शकों का दिल जीतने वाली अनीत पट्टा अब अपनी आगामी वेब सीरीज 'हुंकार-द रोर' को

लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इसका ट्रेलर जारी हो गया है। क्राइम थ्रिलर सीरीज में अनीत पट्टा शोषण के खिलाफ आवाज उठाती हैं। वहीं, फातिमा सना शेख इस मामले की जांच करती हैं। क्राइम थ्रिलर सीरीज 'हुंकार' जियो हॉटस्टार पर आएगी। अनीत साहसी और निर्भीक मीनू की भूमिका में हैं। 17 साल की मीनू अपने खिलाफ होने वाले शोषण का विरोध करती हैं। मीनू बापजी पर शोषण का आरोप लगाती हैं, जो बेहद प्रभावशाली शख्सियत है। मामला पुलिस तक पहुंचता है। फातिमा सना शेख पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं। केस की पड़ताल करते हुए कई चुनौतियां मीनू (अनीत) के सामने आती हैं। अपने भी संदेह करने लगते हैं।

फातिमा सना शेख ने की पड़ताल



मीनू के आरोपों की जांच की कड़ी में कई सनसनीखेज खुलासे होते हैं। मुश्किल वक्त में अपने साथ छोड़ते हैं। मगर, मीनू ऐसे विपरीत हालात में भी साहस का परिचय देती और निर्भीक होकर

सच बताती है। फातिमा इस सच को साबित करने के लिए सबूत जुटाती हैं। सीरीज का निर्देशन करण डी कपाडिया, नित्या मेहरा और हीराज मरफतिया ने किया है। इसे बिडला स्टूडियो और अपोलॉज एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। प्रियंका चोपड़ा इस सीरीज की कार्यकारी निर्माता हैं। 'हुंकार' वेब सीरीज 25 सितंबर से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। इस सीरीज में मोहम्मद जीशान अय्यूब, अर्जुन माथुर, रघुवीर यादव और राम कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं।



'द रिवोल्यूशनरीज' ने एक्ट्रेस के तौर पर मेरी परीक्षा ली

एक्ट्रेस प्रतिभा रांटा ने बताया कि 'द रिवोल्यूशनरीज' उन प्रोजेक्ट्स में से एक था, जिसमें एक एक्ट्रेस के तौर पर उनसे बहुत कुछ करने की उम्मीद की गई थी। प्रतिभा ने रविवार को 'प्रतिभा लाहिड़ी' का किरदार निभाने और उससे मिली सीख के बारे में एक भावुक पोस्ट लिखा। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं कभी भी 'द रिवोल्यूशनरीज' के बारे में बिना भावुक हुए बात कर पाऊंगी। यह एक ऐसा प्रोजेक्ट था जिसने एक एक्टर के तौर पर मुझसे बहुत कुछ मांगा और बदले में मुझे उससे कहीं ज्यादा दिया। मुझे ऐसे सीन करने को मिले, जो मैं हमेशा से करना चाहती थी, ऐसे सीन जिन्होंने मेरी परीक्षा ली, मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और मुझे खुद के उन पहलुओं को खोजने में मदद की, जिनके बारे में मुझे पता भी नहीं था कि मैं उन्हें किसी किरदार में ला सकती हूँ।'

उन्होंने आगे कहा, 'प्रतिभा लाहिड़ी के जरिए मुझे ऐसी महिलाओं को महसूस करने और उन्हें पर्दे पर उतारने का मौका मिला जो गहराई से प्यार करती हैं, बहुत सारी जिम्मेदारियां उठाती हैं, और फिर भी आगे बढ़ने और मजबूत बने रहने का रास्ता ढूँढ़ लेती हैं। महिलाएं जिस तरह से अपनी जिंदगी को संभालकर रखती हैं, उसमें एक शान्त मजबूती होती है, और प्रतिभा के जरिए उस पहलू को समझने का मौका मिलने के लिए

मैं हमेशा आभारी रहूंगी।' प्रतिभा ने इस किरदार के लिए मुझ पर भरोसा करने के लिए डायरेक्टर निखिल आडवाणी का भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने आगे कहा, 'निखिल आडवाणी, प्रतिभा का किरदार मुझ पर सौंपने और मुझे इस खूबसूरत दुनिया का हिस्सा बनाने के लिए आपका शुक्रिया। जब मैं अपने पहले फिल्मफेयर अवॉर्ड और जिस तरह से सब ने मेरा हासला बढ़ाया, उसके बारे में सोचती हूँ तो मैं अब भी भावुक हो जाती हूँ। निखिल सर, आपको मेरे लिए चीयर करते और उस पल को मेरे साथ सेलिब्रेट करते देखना एक ऐसी याद है जिसे मैं हमेशा अपने साथ संजोकर रखूंगी।' इस शो के स्पूजिक के बारे में बात करते हुए प्रतिभा ने बताया कि 'और आगे' इस सीरीज के उनके सबसे पसंदीदा गानों में से एक है।

प्रतिभा ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, 'अब भी सब कुछ महसूस कर रही हूँ। अब भी थोड़ी भावुक हूँ और सबसे ज्यादा इस प्रोजेक्ट, इस किरदार, इस टीम और 'द रिवोल्यूशनरीज' को मिले इतने प्यार के लिए मैं बहुत आभारी हूँ।

अभिनेत्री पल्लवी शारदा जल्द ही फ्रेंच-इंडियन रोमांस फिल्म 'स्टे' में नजर आएंगी।

अभिनेत्री का कहना है कि सिनेमा दुनिया का एक ऐसा अजूबा है, जो कैमरा बंद होने के बाद भी एक्टर्स को क्रिएशन के भंवर में खींच लेता है। पल्लवी ने इंस्टाग्राम पर पब्लिकेशन की तरफ से गई अनाउन्समेंट को शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि एक्ट्रेस फिल्म में सायली नाम की एक तलाकशुदा महिला के किरदार में नजर आएंगी, जो भारत में रहती है और जिसे अपने पिता की सफल कंपनी को संभालने के लिए तैयार किया गया है। पेरिस की एक ट्रिप के दौरान उसे लियो से प्यार हो जाता है, जो एक डिलीवरी ड्राइवर है और एक्टर बनने का सपना देखता है। उनके रिश्ते की परीक्षा परिवार के दबाव, क्लास के फर्क और फ्रांस-भारत में उनकी जिंदगियों को अलग करने वाली आर्थिक और सांस्कृतिक हकीकतों से होती है।

अभिनेत्री फिल्ममेकर रोहेना गेरा के साथ अपने लेटेस्ट प्रोजेक्ट के बारे में बताते हुए लिखा, 'आप फिल्म बनाते और बेचते हैं। यही तरीका है, लेकिन किसी भी फिल्म के मूल

में एक आइडिया, एहसास, वाइब्रेशन होता है। हम बस उसे जिंदा करने में मदद करते हैं। इस फिल्म से पहले जब भी मुझे रोहेना के साथ जूम पर बात करने का मौका मिला, तो मुझे यकीन ही नहीं हुआ कि हमने एक महिला के तौर पर अपने एहसासों और हमारे आसपास की कहानियों पर गहराई से बात की, जो अलग-अलग देशों और संस्कृतियों में काम कर रही हैं।' उन्होंने लिखा, 'लगातार दो संस्कृतियों के बीच झूलने की अजीबोगरीब स्थिति को समझने की कोशिश की। फिल्में एक अजीब दुनिया हैं। ये आपको क्रिएशन के भंवर में खींच लेती हैं, जिसका एहसास कैमरा बंद होने के बाद भी उठना ही रहता है। सेट के बीच के ठहराव में कभी-कभी खालीपन, बेचैनी महसूस होती है लेकिन साथ ही सब कुछ जुड़ता भी है। एक एक्टर के लिए हर फिल्म का अनुभव आपको अपने अंदर इतना गहरा ले जाता है कि उसे समझने के लिए बीच में ठहराव की जरूरत होती है। मैं अभी भी इस फिल्म को समझ रही हूँ।'



हमें ऐसी कहानी चाहिए जो आज भी मायने रखने वाली साधारण और खूबसूरत बातों की याद दिलाएं

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली एक्ट्रेस मानसी पारेख, जो अपनी आने वाली गुजराती फिल्म 'मित्रता: फ्रेंडशिप नो लव स्टोरी' की रिलीज का इंतजार कर रही हैं, ने उन कहानियों की अहमियत के बारे में बात की है, जो हमें उन साधारण और खूबसूरत चीजों की याद दिलाती हैं जो आज भी मायने रखती हैं। इस फिल्म में विराज घेलानी, दीप वेंच और विशाल पारेख भी हैं। यह दोस्ती के विषय पर आधारित है। फिल्म का ट्रेलर शुक्रवार को रिलीज किया गया, जिसमें 3 दोस्तों की जिंदगी और उनके बीच के रिश्तों को दिखाया गया है। फिल्म दोस्ती के कई पहलुओं और जिंदगी के बदलते दौर में मजबूत होने वाले रिश्तों को दिखाती है। फिल्म के बारे में बात करते हुए सोल सूत्र के प्रोड्यूसर मानसी पारेख और पार्थिव गोहिल ने कहा, 'मित्रता' के केंद्र में एक बहुत ही सरल और आम भावना है: दोस्ती। आज के निराशावादी दौर में हमें ऐसी कहानियों की जरूरत है जो हमें उन सरल, खूबसूरत चीजों की याद दिलाएं जो आज भी मायने रखती हैं, और दोस्ती उनमें से एक है। हम सभी की जिंदगी में ऐसे लोग होते हैं, जिन्होंने हमारे अलग-अलग रूप देखे हैं और हर हाल में हमारे साथ रहे हैं। ऑनिल ने उस भावना को एक ऐसी दुनिया में उतारा है, जो मनोरंजक, गर्मजोशी से भरी और भावनाओं से भरपूर है। हम आश्चर्यकर दर्शकों के साथ 'मित्रता' की दुनिया को साझा करने के लिए

उत्साहित हैं।' यह फिल्म उनकी गुजराती ब्लॉकबस्टर 'झमकूड़ी' के बाद एक्ट्रेस और उनके (को-स्टार) के फिर से साथ आने का मौका है। विराज घेलानी ने कहा, 'दोस्ती शायद उन कुछ रिश्तों में से एक है जहां आप बिना किसी दिखावे के खुद जैसे हो सकते हैं, और यही बात 'मित्रता' को इतना अपना-सा बनाती है। फिल्म में दोस्तों के ग्रुप से उम्मीद की जाने वाली मजाक-मस्ती और पागलपन तो है ही, लेकिन इसमें कुछ शांत पल भी हैं जो आपको याद दिलाते हैं कि ये रिश्ते इतने मायने क्यों रखते हैं। सेट पर हम सभी के बीच की एनर्जी बहुत नेचुरल थी, और मुझे लगता है कि यह ट्रेलर में भी झलकती है। मैं सच में उत्साहित हूँ कि दर्शक इन किरदारों से मिलें और उनके सफर का अनुभव करें।' फिल्म ने अमित त्रिवेदी द्वारा कपोज किए गए 'मित्रता एंथम' के साथ पहले ही लोगों में उत्सुकता पैदा कर दी है, जो कहानी के केंद्र में दोस्ती की भावना को दर्शाता है। गाने की लाइन 'तारी मारी दोस्ती' सोशल मीडिया पर तुरंत हिट हो गई है और दर्शक अपने दोस्तों के ग्रुप के साथ इसके स्टेप्स को रीकिएट कर रहे हैं। सोल सूत्र द्वारा प्रस्तुत, इस फिल्म के डायरेक्टर ऑनिल कार्निंक हैं, इसे पार्थिव गोहिल और मानसी पारेख ने प्रोड्यूस किया है, और यह 25 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

